



स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री ने पीएम मोदी को 'असाधारण उपलब्धि' की दी बधाई

बोलें- 'ये राजनीतिक चमत्कार'

एजेंसी ब्रातिस्लावा। स्लोवाकिया के पीएम रॉबर्ट फिचो ने भारत के अपने समकक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऐतिहासिक उपलब्धि की बधाई दी। भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार निर्वाचित प्रधानमंत्री बने रहने को उन्होंने 'राजनीतिक चमत्कार' करार दिया। ब्रातिस्लावा में पीएम मोदी के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए फिचो ने भारत में राजनीतिक स्थिरता और पीएम मोदी के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा, 'इतने विविध और जटिल राजनीतिक माहौल में लगातार 12 वर्षों तक नेतृत्व बनाए रखना असाधारण उपलब्धि है।' स्लोवाकिया के पीएम ने आगे कहा, 'मैं उस राजनीतिक स्थिरता को नजरअंदाज नहीं कर सकता जिसका आप प्रतिनिधित्व करते हैं। मैं आपको बधाई देता हूँ कि आप भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले

प्रधानमंत्री हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'यह उपलब्धि एक राजनीतिक चमत्कार के समान है, और यह भारत की लोकतांत्रिक ताकत और नेतृत्व क्षमता को दर्शाती है।' इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रॉन ने भी मंच से पीएम मोदी को इस उपलब्धि पर बधाई दी थी और कहा था कि यह भारत की मजबूती और नेतृत्व की निरंतरता को दर्शाता है। नीस में भारत-इन्वेस्ट्स 2026 के उद्घाटन समारोह में उन्होंने पीएम मोदी की मौजूदगी को गौरवाचित करने वाला क्षण बताया। मैक्रॉन ने आगे कहा, 'प्रधानमंत्री, मैं आपको आजाद भारत का लंबे

थी और कहा था कि यह भारत की मजबूती और नेतृत्व की निरंतरता को दर्शाता है। नीस में भारत-इन्वेस्ट्स 2026 के उद्घाटन समारोह में उन्होंने पीएम मोदी की मौजूदगी को गौरवाचित करने वाला क्षण बताया। मैक्रॉन ने आगे कहा, 'प्रधानमंत्री, मैं आपको आजाद भारत का लंबे



भारत और स्लोवाकिया संबंधों को देंगे व्यापक साझेदारी का दर्जा

नई दिल्ली। भारत और स्लोवाकिया ने अपने संबंधों को 'व्यापक साझेदारी' का दर्जा देने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा में इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह दोनों देशों के साझा विश्वास, प्राथमिकताओं और भविष्य का प्रतीक है। प्रधानमंत्री मोदी और स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फीचो के बीच ब्रातिस्लावा में द्विपक्षीय वार्ता हुई। वार्ता के बाद दोनों नेताओं ने संयुक्त प्रेस वक्तव्य दिया। इस दौरान दोनों नेता 'समझौता ज्ञापनों' के आदान-प्रदान में साक्षी बने। अपने वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में स्लोवाकिया के विशेष सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही इसे जल्द अपनाए जाने के लिए मिलकर काम करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के उद्योग, स्टार्टअप और व्यापारियों को इसका अधिकतम लाभ मिलेगा। रक्षा सहयोग के क्षेत्र में आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए जाने का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि क्षेत्र में सहयोग दोनों देशों के बीच विश्वास और रणनीतिक समझ का परिणाम है। इससे संयुक्त विकास, उत्पादन और रक्षा उद्योग सहयोग को नई गति मिलेगी।

समय तक निर्वाचित पीएम के रूप में प्रतिनिधित्व करने के लिए बधाई देता हूँ। यह सफर आपके दृढ़ निश्चय और आपके देश की ताकत का बखान करता है, जो बहुत शानदार है, जिस पर हमें गर्व है।

री-नीट प्रश्नपत्र के नाम पर 1000 छात्रों से ठगी गुजरात पुलिस ने दो आरोपियों को दबोचा

एजेंसी अहमदाबाद। गुजरात पुलिस की अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच ने सोमवार को एक बड़े साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया है और राजस्थान के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दोनों ने टेलीग्राम और सोशल मीडिया के जरिए री-नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का झांसा देकर 1,000 से अधिक छात्रों और उनके अभिभावकों से करोड़ों रुपये की ठगी की। साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 319(2), 54 तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66(डी) के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपी टेलीग्राम चैनलों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह दावा कर रहे थे कि उनके पास 21 जून को होने वाली री-नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र और गोपनीय जानकारी मौजूद है। जांच के दौरान पुलिस ने राजस्थान के सुमेर सिंह मीणा और आकाश मीणा को गिरफ्तार किया। सुमेर सिंह

इलेक्ट्रॉनिक्स में आईटीआई पास है और जयपुर में रहता है, जबकि आकाश मीणा अंशुजी और हिंदी में बीए स्नातक है तथा उसे कोटा से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के

कोई प्रश्नपत्र लौक नहीं हुआ था। उन्होंने कहा कि आरोपी केवल फर्जी दावे कर छात्रों और अभिभावकों से पैसे वसूल रहे थे और भुगतान मिलने के बाद गायब हो जाते थे। पुलिस



मुताबिक आरोपियों ने कई टेलीग्राम चैनल और ग्रुप बनाकर छात्रों को प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का लालच दिया। इसके बदले ऑनलाइन पेमेंट, क्यूआर कोड और बैंक खातों के जरिए अग्रिम रकम वसूली जाती थी। अहमदाबाद के संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपरधम) शरद सिंघल ने स्पष्ट किया कि री-नीट परीक्षा का

जांच में यह भी सामने आया कि गिरोह टेलीग्राम चैनलों पर फर्जी सदस्य और प्रीमियम सदस्य जोड़कर उन्हें विश्वसनीय दिखाता था। गिरोह के सदस्य खुद ही चैनलों में संदेश पोस्ट कर दावा करते थे कि पिछले वर्ष उनका पेपर 80 प्रतिशत तक सही निकला था, जिससे लोग उनके झांसे में आ जाते थे।

आस्था पर प्रहार: जैन संत को बदनाम करने की धिनौनी साजिश नाकाम

महानगर मेट्रो एक्सक्लूसिव : मास्टरमाइंड जगत पारेख का पर्दाफाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। क्या इस देश में किसी की सामाजिक प्रतिष्ठा, सदियों पुरानी धार्मिक आस्था और तपस्वी संतों की पवित्रता इतनी सस्ती हो गई है कि कोई भी एरा-गेरा आकर उस पर कीचड़ उछाल दे? 'महानगर मेट्रो' आज एक ऐसी सनसनीखेज और रूढ़ कंपा देने वाली साजिश का लाइव भंडाफोड़ कर रहा है, जिसका मकसद सिर्फ और सिर्फ पूज्य 'सागर समुदाय' को ब्लैकमेल करना और उनसे करोड़ों की रंगदारी वसूलना था। पैसों की भूख में अंधे हो चुके इन गुणों ने पवित्र आस्था पर जो घातक प्रहार किया है, उसका एक-एक सबूत आज हम जनता की अदालत में बेनकाब करने जा रहे हैं।

ब्लैकमेलिंग गैंग की शातिर मोडस ऑपरेंडी: आधुनिक हथियारों से चरित्र हनन

इस गैंग के काम करने का तरीका इतना शातिर और खतरनाक है कि कोई भी शरीफ इंसान दहल जाए। ये डिजिटल डकेत सबसे पहले आधुनिक तकनीक, एडिटिंग टूल्स और AI का दुरुपयोग करके फर्जी वीडियो और ऑफर (फर्जी) तस्वीरें तैयार करते हैं। इसके बाद पदों के पीछे से शुरू होता है ब्लैकमेलिंग का गंदा और काला धंधा। जब सामने वाला पक्ष इनकी अवैध वसूली, धमकियाँ और करोड़ों की रंगदारी के आगे नहीं झुकता, तो ये लोग समाज में पूजनीय संतों का चरित्र हनन करने के लिए वो फर्जी मटेरियल सोशल मीडिया पर वायरल कर देते हैं। यह न्याय की लड़ाई नहीं, यह सिर्फ सस्ते व्यूज और उगाही के लिए खेला जाने वाला 'डिजिटल मर्डर' है!

गैंग के मुख्य सरगनाओं की कुंडली: देखिए इन चेहरों को!

जब 'महानगर मेट्रो' की इन्वेस्टिगेटिव टीम ने इस पूरी साजिश की कड़ियों को जोड़ा, तो इसके पीछे दो मुख्य चेहरे बेनकाब हुए:

1. जगत पारेख (अहमदाबाद): इस पूरी गंदी साजिश का मुख्य स्क्रिप्ट राइटर। यह वही शख्स है जिस पर पहले से ही धोखाधड़ी (फ्रॉड) और कई क्रिमिनल केस दर्ज हैं। जिसकी खुद की

आस्था पर प्रहार: जैन संत को बदनाम करने की धिनौनी साजिश नाकाम, मास्टरमाइंड जगत पारेख का पर्दाफाश!

गैंग के मुख्य सरगना

- जगत पारेख (अहमदाबाद) साजिश का मास्टरमाइंड
- हार्दिक हुंडिया (मुंबई) डिजिटल सपोर्ट और नेटवर्क

आस्था की रक्षा, सत्य की जीत!

1. AI और एडिटिंग से फर्जी वीडियो तैयार

2. ब्लैकमेलिंग और धमकियाँ

3. करोड़ों की रंगदारी की मांग

4. भत न मानने पर सोशल मीडिया पर वायरल

5. संत की छवि को पहुंचाया नुकसान

6. कानून और समाज के साथ खिलवाड़

7. अब कानून के शिकंजे में गैंग!

फर्जी वीडियो मॉर्फिंग तस्वीरें FAKE

कानून की नजर में कोई औकात या साख नहीं है, वह समाज के पवित्र संतों की साख पर हमला करने निकला था। 2. हार्दिक हुंडिया (मुंबई): मुंबई की चकाचौंध में बैठकर, डिजिटल आईडी के पीछे छुपकर इस पूरे ब्लैकमेलिंग नेटवर्क को डिजिटल सपोर्ट और हवा-पानी देने का पाप यह शख्स कर रहा है। 'महानगर मेट्रो' ने इन कार्यों को बंद करमों से बाहर आकर खुले मैदान में सबूत पेश करने की सीधी चुनौती दी थी, लेकिन सबूत के नाम पर इस गैंग के पास सिर्फ शून्य था!

पूछ कि: 'तुमने कोर्ट में याचिका दायर करके परम पूजनीय जैन मुनि सागरचंद्र सागर आचार्य जी पर अश्लील वीडियो विदेश में बेचने का इतना गंभीर और घटिया आरोप लगाया... क्या इसका एक भी ठोस फॉरेंसिक या डिजिटल सबूत तुम्हारे पास है? अगर है, तो अभी के अभी दिखाओ!' इस तीखे सवाल पर जगत पारेख हक्का-बक्का रह गया, कांप उठा। ऑन-रिकॉर्ड बातचीत में उसने जो उगला है, वह कानून और न्याय व्यवस्था के मुंह पर एक करारा तमाचा है। उसने घुटनों पर आते हुए स्वीकार किया कि उसके पास कोई भी पुख्ता सबूत नहीं है! उसने कार्यों जैसा जवाब देते हुए कहा- 'हमें ऐसा लगा कि शायद ऐसा हो सकता है।'

जब पूछा गया कि बिना सबूत के इतना घिनौना आरोप लगाने की हिम्मत कैसे हुई? तो इस पापी का जवाब सुनिए-उसने कहा कि उस समय फिल्म इंडस्ट्री के राज कुंद्रा का अश्लील वीडियो वाला मामला मीडिया में छाया हुआ था, उसे देखकर मुझे लगा कि शायद आचार्य सागरचंद्र सागर भी ऐसा ही कुछ कर रहे होंगे! सोचिए, यह कितनी विकृत मानसिकता है! टीवी पर कोई क्राइम न्यूज देखकर, अपने वहम के आधार पर एक कठिन तपस्का करने वाले संत पर इतना बड़ा लांछन लगा देना एक अक्षय्य पाप है। अदालत और समाज के साथ अक्षय्य खिलवाड़ अदालतें सबूतों और कानून पर चलती हैं, किसी ब्लैकमेलर के कमजोर अंदाजे या वहम पर नहीं। किसी संत को बदनाम करने के लिए कोर्ट के प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करना देश की न्याय प्रणाली का मजाक उड़ाने जैसा है। इस गैंग का मकसद कभी न्याय पाना था ही नहीं, इनका एकमात्र मकसद पूज्य आचार्य श्री को बदनाम करने की धमकी देकर सागर समुदाय से करोड़ों रुपये बन गया है। लेकिन अब पाप का चड़ा भर चुका है और इस टोली को कानून के शिकंजे से कोई बचा नहीं जाएगा।

गिरफ्तारी से बचने को कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंचे अभिषेक के करीबी सुमित राय, दी अग्रिम जमानत की अर्जी

एजेंसी कोलकाता। पश्चिम बंगाल में डायमंड हब से लोकसभा सांसद व तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के करीबी सहयोगी सुमित राय ने गिरफ्तारी की आशंका के बीच कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। सोमवार को उनके वकील ने न्यायमूर्ति जय सेनगुप्ता की अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल करने की अनुमति मांगी और मामले की तत्काल सुनवाई की भी अपील की। अदालत ने याचिका दायर करने की अनुमति दे दी है। सुमित राय का नाम इन दिनों पश्चिम मेदिनीपुर जिले के शालबनी थाना क्षेत्र में दर्ज एक मामले की जांच में सामने आया है। पुलिस का दावा है कि उनके खिलाफ कथित वसूली, भूमि घोटाला, वित्तीय धोखाधड़ी तथा धन के बदले चुनावी टिकट दिलाने जैसे आरोपों की जांच की जा रही है। गौरतलब है कि, शनिवार तड़के शालबनी थाना पुलिस ने अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पर तलाशी अभियान चलाया था। पुलिस के अनुसार, सुमित राय की तलाशी में यह कार्रवाई की गई थी। जांचकर्ताओं को सुमित के मोबाइल फोन का अंतिम लोकेशन कालीघाट क्षेत्र में मिला था, जिसके आधार पर पुलिस वहां पहुंची थी। हालांकि, कई घंटे तक चली तलाशी के

बावजूद सुमित राय का कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद पुलिस ने उनकी तलाशी और तेज कर दी। इसी बीच सुमित राय का अग्रिम जमानत के लिए उच्च न्यायालय पहुंचना राजनीतिक और कानूनी गलियों में चर्चा का विषय बन गया है। सूत्रों के मुताबिक, एक ओर पुलिस सुमित राय तक पहुंचने के लिए लगातार दबिश दे रही है, वहीं दूसरी ओर वह गिरफ्तारी से बचने के लिए कानूनी विकल्पों का सहारा ले रहे हैं। हाल ही में उनके खिलाफ मेदिनीपुर की अदालत से गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया

भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए 23-24 जून को करेंगे नई वार्ता

एजेंसी नई दिल्ली। भारत और अमेरिका प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने के लिए बातचीत तेज करने जा रहे हैं। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) के वरिष्ठ अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल 23-24 जून को नई दिल्ली पहुंचेगा, जहां समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने के लिए उच्चस्तरीय चर्चा की जाएगी। यह जानकारी सोमवार को एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने दी। मासिक व्यापार आंकड़ों की ब्रीफिंग के दौरान वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि यूएसटीआर का प्रतिनिधिमंडल अपनी यात्रा के दौरान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और भारत के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत करेगा। अग्रवाल ने कहा, 'हमारी उम्मीद है कि यह चर्चा समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने के साथ-साथ उस व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर भी केंद्रित होगी, जिस पर दोनों देशों के बीच पहले से बातचीत चल रही है।' उन्होंने कहा कि वार्ता का उद्देश्य केवल अंतरिम समझौते को पूरा करना ही नहीं, बल्कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापक व्यापार समझौते की दिशा में भी प्रगति करना है।

राजधानी में मंगलवार को फिर बरसेंगे बदरा तेज हवाओं का सिलसिला रहेगा जारी

एजेंसी नई दिल्ली। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पूर्वानुसार दिल्ली-पनसीआर में सोमवार को तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हुई। इससे यहाँ का मौसम सुहाना हो गया है। वहीं दक्षिण-पश्चिम तामसून बिहार, झारखंड से लेकर पश्चिम बंगाल तक आगे बढ़ चुका है। आईएमडी के अनुसार राजधानी में मंगलवार को दोपहर और शाम के दौरान के समय तेज हवाओं और गरज के साथ हल्की बारिश के आसार हैं। इस



दिन अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 38-40 डिग्री सेल्सियस और 26-28 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। 17 जून को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। राजधानी का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39-41 डिग्री सेल्सियस और 27-29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। हवाओं की गति सामान्य रहेगी। 18 जून को भी आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। इस दिन का अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 40-42 डिग्री सेल्सियस और 28-30 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, दक्षिण-पश्चिम मानसून आज आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड और बिहार के बाकी हिस्सों में और आगे बढ़ गया है। अगले 6-7 दिनों के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है।

18 जुलाई को 2500 तीर्थरक्षक करेंगे गिरनार कूच - सकल समाज का ऐतिहासिक संकल्प



महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। भगवान नेमिनाथ की दीक्षा-केवलज्ञान भूमि गिरनार महातीर्थ की पांचवीं टोक को बचाने के लिए इंदौर ने शंखनाद कर दिया है। संगठन के मीडिया प्रभारी राजेश जैन दहू ने बताया कि इंदौर स्थित उदासीन आश्रम में ऐतिहासिक समर्पण बैठक कल शाम श्री दिगंबर जैन उदासीन आश्रम में सकल जैन समाज, दिगंबर जैन सामाजिक संसद, विश्व जैन संगठन राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ व सकल जैन समाज एवं समस्त जैन संगठनों की गिरनार समर्पण बैठक हुई। बैठक में परम पूज्य मुनि श्री पूज्य सागर जी महाराज का मंगल सान्ध्य में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने धरोहर रक्षा का संकल्प लिया। यात्रा संयोजक मयंक जैन ने 2500 तीर्थरक्षकों का महा-कूच इंदौर से करेंगे। बैठक का चरम क्षण तब आया जब एक स्वर में हुंकार भरते हुए 20 जुलाई 2026 को गिरनार सिद्धेश्वर पर 2500 साधर्मियों को इंदौर से ले जाने का संकल्प ध्वनि मत से पारित हुआ। विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन दिल्ली 9 जुलाई को इंदौर पधार रहे हैं। 9 जुलाई 2026 को 'श्री नेमि गिरनार धर्मयात्रा' के इंदौर आगमन पर इंदौर नगर जैन समाज द्वारा अकल्पनीय स्वागत होगा। 18 जुलाई को इंदौर नगर से हजारों की संख्या में विशाल संघ गिरनार की ओर प्रस्थान करेगा। मीटिंग में वक्ताओं ने कहा कि मौन टूटा, विरासत बचाएंगे। नेमिनाथ के चरण चिह्न व जैन प्रतीकों को बदलने का दुस्साहस हुआ है। 'आप आये, सभी तीर्थरक्षकों को लाये' के साथ युवाओं का धर्मयुद्ध की अग्रिम पंक्ति में आह्वान किया गया। एकजुट हुए कर्णधार मीटिंग की अध्यक्षता कर रहे महेंद्र जैन भैयन, सर्वमान्य अध्यक्ष आनंद गोधा, हर्ष जैन, टीके-कैलाश देव, नकुल पाटोदी, लोक जैन, ओम पाटोदी, मनीष नायक, जनेश झाइरी, राहुल जैन, उपस्थित हुए।

उमोई में फूड डिस्ट्रीब्यूटर का गुस्सा: बार-बार बदलते सरकारी नियमों के खिलाफ चौथे दिन भी विरोध जारी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। सरकार द्वारा ज्वार खरीद के नियमों और पॉलिसी में बार-बार किए जा रहे बदलावों से लोकल किसानों में बहुत गुस्सा है। अपने हक की लड़ाई के लिए डभोई APMC पर शुरू हुए किसानों के सांकेतिक अनशन और आंदोलन का आज लगातार चौथा दिन है। हालांकि, फूड डिस्ट्रीब्यूटर में एडमिनिस्ट्रेशन के खिलाफ बहुत गुस्सा है, जिससे अभी तक एडमिनिस्ट्रेशन या किसी पॉलिटिकल लीडर ने मुलाकात नहीं की है। इस झगड़े की मुख्य वजह सरकार का बार-बार बदलता फ़ैसला है। शुरू में सरकार ने हर किसान से 1,850 चढ़ ज्वार खरीदने का फ़ैसला किया था, लेकिन जब यह लिमिटेड अचानक घटाकर सिर्फ 1,000 चढ़ कर दी गई, तो किसानों ने इसका जोरदार विरोध किया। उसके बाद सरकार ने बीच का रास्ता निकालते हुए 1,700 चढ़ स्टॉक खरीदने का नया फ़ैसला किया है। हालांकि, किसानों की साफ मांग है कि पूरी खरीद शुरूआती प्रस्ताव के मुताबिक मिनिमम सपोर्ट प्राइस 1,850 चढ़ पर की जाए। अभी किसानों के घरों में हजारों चढ़ ज्वार पड़ा है, जिसके मानसून की शुरूआत में खराब होने का खतरा है। सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाने के लिए किसान गांधीचिन्ध्या मार्ग पर अनेक तरीके से विरोध कर रहे हैं। किसानों ने एक बड़ी रैली निकालकर डिटी कलेक्टर को अर्जी दी है। इस आग के बीच किसान दिन में उपवास रख रहे हैं और रात में विरोध स्थल पर भजन और धुनी रमजात गाकर साईं हुई सरकार को जगाने की कोशिश कर रहे हैं। पिछले चार दिनों से भूखे-प्यासे किसानों ने धमकी दी है कि अगर किसी किसान की तबीयत खराब हुई तो इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। जब तक पुराने प्रस्ताव के मुताबिक खरीद पक्की नहीं हो जाती, यह संघर्ष और तेज होगा।

गवर्नर्स की तरफ एक ओर कदम: A.M. कॉर्पोरेशन ने साउथ और ईस्ट ज़ोन के लोगों के लिए 'जन कल्याण शिविर' लगाया



महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने शहर के आखिरी आदमी तक नागरिक सुविधाओं और सरकारी स्कीम का फायदा पहुंचाने के मकसद से एक अच्छी पहल की है। कॉर्पोरेशन ने शहर के साउथ ज़ोन और ईस्ट ज़ोन के लोगों के लिए एक खास 'जन कल्याण शिविर' लगाया। इस कैम्प में बड़ी संख्या में लोकल लोग शामिल हुए, जहाँ उन्हें अलग-अलग सरकारी स्कीम और नागरिक सुविधाओं के बारे में डिटेल् में जानकारी दी गई। इस मौके पर अहमदाबाद के मेयर हितेश बारोट, अहमदाबाद ईस्ट लोकसभा MP हंसमूक पटेल, वेस्ट लोकसभा MP दिनेश मकवाना, स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन देवांग दानी, लोकल MLA, पार्षद और दूसरे बड़े लोग खास तौर पर मौजूद थे। प्रोग्राम के दौरान, मौजूद बड़े लोगों ने अलग-अलग सरकारी स्कीम के बेनिफिशियरी से सीधे बातचीत की और उनका फीडबैक लिया। इस जन कल्याण शिविर का मुख्य मकसद लोगों को अलग-अलग ऑफिस के चक्कर काटने की परेशानी से छुटकारा दिलाना था। कैम्प में लोगों को एक ही जगह पर नगर निगम के अलग-अलग डिपार्टमेंट की सर्विस, सरकारी स्कीम के फॉर्म भरने में गाइडेंस और मौके पर ही लोकल प्रॉब्लम का जल्दी सॉल्यूशन मिला। एडमिनिस्ट्रेटिव प्रोसेस आसान होने से लोगों में भी काफी उत्साह देखना गया। इस मौके पर मौजूद लोगों ने कहा कि यह बहुत जरूरी है कि पब्लिक वेलफेयर स्कीम का फायदा समाज के हर तबके और सबके गरीब परिवारों तक ट्रांसपैरेंट तरीके से पहुंचे। ऐसे पब्लिक वेलफेयर कैम्प गुड गवर्नेंस की भावना को मजबूत करने और सरकारी काम बिना देरी के पूरे करने में बहुत जरूरी और असरदार साबित हो रहे हैं। भविष्य में भी ऐसे पब्लिक वेलफेयर के काम जारी रखने का संकल्प लिया गया।

रतनपोल की ऐतिहासिक 'जली हुई हवेली' में स्टे ऑर्डर के बावजूद अवैध कंस्ट्रक्शन जारी, सिस्टम राजनीतिक मनमानी के आगे झुका?

अहमदाबाद के हेरिटेज एरिया में कानून-त्यवस्था का बोलबाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। दिल और ऐतिहासिक पहचान रखने वाले रतनपोल इलाके से एक चौकाने वाला मामला सामने आया है, जो कानून-व्यवस्था की साख पर बड़ा लगा रहा है। यहां मौजूद ऐतिहासिक 'जली हुई हवेली' में सारे नियमों को ताक पर रखकर खुलेआम अवैध कंस्ट्रक्शन का बड़ा खेल खेला गया है। सबसे गंभीर बात यह है कि इस मामले में माननीय कोर्ट के स्टे ऑर्डर और स्थानीय निवासियों की बार-बार लिखित शिकायतों के बावजूद, पूरा अवैध कंस्ट्रक्शन एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम की मीठी नजर के नीचे पूरा हुआ है।

स्टे ऑर्डर के 'अनुपालन' से हुआ कंस्ट्रक्शन

स्थानीय निवासियों ने पिछले 6 महीने से अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और संबंधित विभागों को सबूतों के साथ कई बार रिप्रेजेंटेशन दी थी। कानूनी लड़ाई लड़कर कंस्ट्रक्शन के खिलाफ स्टे ऑर्डर भी हासिल किया गया था। लेकिन रतनपोल के लोकल लोग इस समय बहुत गुस्से में इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि यहां पॉलिटिकल असरदार लोगों के एक्टिव होने की वजह से एडमिनिस्ट्रेशन मूकदर्शक बना रहा, जैसे 'स्टे ऑर्डर' लागू हो गया हो और कंस्ट्रक्शन



का काम जोरों पर हो गया हो।

असामाजिक तत्वों और पॉलिटिकल आकाओं का सहारा

शिकायतकर्ता का सीधा आरोप है कि इतने सारे पक्के सबूत और बार-बार बताने के बाद भी, जिम्मेदार अधिकारियों ने समय पर कोई एक्शन नहीं लिया। जब भी गैर-कानूनी कामों के बारे में संबंधित डिपार्टमेंट को बताया गया, तो पॉलिटिकल असरदार लोगों और असामाजिक

तत्वों के दबाव में काम जारी रखा गया। इन तत्वों में कानून का कहीं कोई डर नहीं है, लेकिन सवाल यह है कि जनता के टैक्स पर चलने वाली कॉर्पोरेशन की एडमिनिस्ट्रेशन किसके दबाव में ठिठकी हुई बैठी है? पक्को गुजरात न्यूज के तीखे सवाल: इस गंभीर लापरवाही के खिलाफ, एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम और अधिकारियों से कुछ तीखे सवाल पूछ रहा है:

1. अगर कोर्ट के स्टे ऑर्डर और लोगों की लिखी हुई शिकायतों के बावजूद बिना किसी परमिशन के गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन हो सकते हैं, तो आम

नागरिक किससे इंसाफ की उम्मीद करें?

2. क्या रतनपोल इलाके के जिम्मेदार कॉर्पोरेशन अधिकारी नेताओं के दबाव में काम कर रहे हैं या वे सीधे तौर पर इसमें शामिल हैं?

3. ऐतिहासिक धरोहर जली हुई हवेली की पहचान मिटाने की कोशिश कर रहे इन लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई कब होगी?

4. कोर्ट के आदेश को पूरी तरह न मानने वाले लैंड माफियाओं के खिलाफ सिस्टम कब कार्रवाई करेगा?

जनता की आवाज बनकर लड़ेगा

यह सिर्फ एक मकान या दुकान बनाने का झगड़ा नहीं है, बल्कि हमारे कानून और इंसाफ सिस्टम पर एक बड़ा सवालिया निशान है। अगर आज ऐसे जालिमों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो आम आदमी का कानून से भरोसा उठ जाएगा। 'पाको गुजरात न्यूज' इन परेशान शिकायत करने वालों और स्थानीय लोगों की मजबूत आवाज बनकर सिस्टम के सामने यह मुद्दा उठाता रहेगा। यह लड़ाई तब तक जारी रहेगी जब तक इस गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन पर कानून का हथौड़ा नहीं चलता और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ जांच नहीं होती।

पूर्व क्रिकेटर और MP यूसुफ पठान को हाई कोर्ट से बड़ा झटका: ज़मीन सौंपने के लिए 4 हफ्ते का समय

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और तुणमूल कांग्रेस के MP यूसुफ पठान को गुजरात हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। यूसुफ पठान ने वडोदरा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की तरफ से ज़मीन पर कब्जा करने के लिए जारी नोटिस के खिलाफ हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, हाई कोर्ट ने उनकी अर्जी खारिज कर दी और विवादित ज़मीन वडोदरा कॉर्पोरेशन को सौंपने के लिए 4 हफ्ते का समय दिया। यह विवाद वडोदरा के तंदलजा इलाके में मौजूद करोड़ों रुपये की TP स्कीम की ज़मीन से जुड़ा है। वडोदरा कॉर्पोरेशन ने यूसुफ पठान पर इस सरकारी ज़मीन पर कथित तौर पर गैर-कानूनी कब्जा करने और वहाँ दीवार बनाने का आरोप लगाया था। वडोदरा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने इस बारे में यूसुफ पठान को नोटिस जारी कर ज़मीन खाली करने का आदेश दिया था, जिसके खिलाफ पूर्व क्रिकेटर ने स्टे पाने के लिए हाई कोर्ट में कानूनी लड़ाई शुरू की थी। हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान कॉर्पोरेशन की तरफ से कहा गया कि यह ज़मीन सरकारी है और कोई भी प्राइवेट व्यक्ति इस पर कब्जा नहीं कर सकता। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाई कोर्ट ने यूसुफ पठान को किसी भी तरह की अंतरिम राहत देने से मना कर दिया है। इस फ़ैसले के बाद वडोदरा की राजनीति और खेल जगत में काफी चर्चा हो रही है।



गुजरात का किसान आंदोलन फिर से पॉलिटिकल आग के हवाले स्वाहा

नेताओं को हीरो बनने का मौका नहीं दिया गया, सरकार को कुछ करने की ज़रूरत नहीं पड़ी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात और आंदोलन का इतिहास बहुत पुराना है, लेकिन इस इतिहास में एक नया चैप्टर जुड़ गया है, जो बेहद शर्मनाक और बेबस करने वाला है। जिस तरह से आज गुजरात के किसान सड़कों पर उतरे, उनका गुस्सा देखकर लगा कि इस बार कुछ बड़ा होगा। किसान एक हफ्ते तक आर-पार की लड़ाई लड़ने के मूड में थे। लेकिन अफसोस, शाम होते-होते वही हुआ जिसका सालों से इंतज़ार था—आंदोलन में फूट पड़ गई, नेता आपस में ही लड़ पड़े और पूरा आंदोलन सियासत के रंग में रंगकर बिखर गया।

नेता तैयार होकर बैठने आए: कांग्रेस की नासमझी सागने आई

मुख्य विपक्ष के तौर पर कांग्रेस इस आंदोलन में जिस बड़े भाई की भूमिका निभानी थी, उसमें उसकी सख्त कमी थी। जहाँ सिर्फ दुनिया के मुद्दों और किसानों के हक पर बात होनी थी, वहाँ कांग्रेस के दूसरे नेता ऐसे दिखे जैसे वे पहले से तैयार चर्चाई पर बैठने आए हैं। लालजी देसाई और पाल अंबालिया के बीच बयानबाजी ने एक ऐसे आंदोलन का गला घोट दिया जो और बड़ा हो सकता था। बड़ा लीडर बनने के चक्कर में और क्रेडिट लेने की होड़ में सारे लीडर धराशायी हो गए। हैरानी की बात है कि पिछले आंदोलनों को कुचलने में माहिर मानी जाने वाली BJP सरकार को इस बार आंदोलन तोड़ने के लिए अपनी ताकत इस्तेमाल करने की ज़रूरत नहीं पड़ी! विपक्ष और आंदोलनकारी खुद ही आपस में लड़ पड़े और पूरा मैदान साफ ??कर दिया। आम आदमी पार्टी के न होने से यह रस थी कि



हीरो कौन बनेगा! दूसरी तरफ, किसानों के हंगामे में आम आदमी पार्टी के लीडर कहीं नहीं दिखे। कांग्रेस और AAP दोनों पार्टियों से जिस पॉलिटिकल मैच्योरिटी की उम्मीद थी, वह कहीं नहीं दिखी। यह लड़ाई किसानों की नहीं, बल्कि 'कौन किसान लीडर बनेगा और कौन हीरो साबित होगा' की हो गई है। इस इंगो की लड़ाई में किसानों के बेसिक मुद्दे खो गए हैं। गुजरात में विपक्ष की असलियत यह है कि जब तक कांग्रेस और AAP एक मंच पर नहीं बैठेंगे, तब तक दोनों नंबर-2 की कुर्सी के लिए आपस में लड़ते रहेंगे और रूलिंग पार्टी मजबूत रहेगी।

नेता की नम आँखें और किसानों की बेपरवाही

पाल अंबालिया की मेहनत को सलाम करना ही काफी है, वह सच्चे इंसान हैं। लेकिन जब आंदोलन टूटने के बाद उनकी आँखें नम हो जाती हैं और वह निराश होकर कहते हैं, 'मुझे अब किसानों की लड़ाई नहीं लड़नी है', तो गुजरात के किसानों को भी खुद के बारे में सोचना होगा। उन नेताओं के लिए थोड़ी हमदर्दी दिखानी होगी जिन्होंने आपके लिए अपना खून बहाया। आज किसान राजू करपड़ा पर किए गए भरोसे को भी याद कर रहे हैं,

जिनका साथ भी आखिरकार इसी तरह खत्म हो गया।

पंजाब के किसानों से कुछ सीखो!

गुजरात के किसान संगठनों और नेताओं को पंजाब के किसानों से थोड़ा सीखना चाहिए। वहाँ अलग-अलग विचारधारा होने के बावजूद, जब किसानों के हक की बात आती है, तो पूरा पंजाब एकजुट होकर दिल्ली का तख्त हिला देता है। जबकि गुजरात में सुबह का गुस्सा शाम होते-होते राजनीति का शिकार हो जाता है।

महानगर मेट्रो न्यूज का आखिरी सवाल:

नेताओं की क्रेडिट की भूख और विपक्ष की कमजोरी की वजह से गुजरात के भोले-भाले किसान आज एक बार फिर ठगे गए हैं। नेता तो अपनी-अपनी गाड़ियों में चले गए हैं, लेकिन काली मजदूरी करने वाले किसान आज भी वहाँ खड़े हैं, जहाँ सुबह थे। भले ही लीडरशिप फ्लू हो गई हो, लेकिन 'पाको गुजरात न्यूज' उन सच्चे किसानों की लड़ाई को सलाम करता है जो अपने हक के लिए सड़कों पर उतरे। लेकिन सवाल यह है कि आप कब तक ऐसे मतलबी नेताओं के मोहरे बनते रहेंगे?

कर्नाटक में सनसनी: लंबे समय से सूखे की मदद नहीं मिलने पर एक किसान ने सरकारी अधिकारी पर सरेआम चप्पल फेंकी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बेंगलुरु। जब सिस्टम बहरा हो जाता है और सिर्फ वादे कानूनी कागज़ों पर रह जाते हैं, तो आम लोगों का गुस्सा कैसे फूटता है, इसकी एक जीती-जागती और जानलेवा कहानी कर्नाटक से सामने आई है। सूखे की मदद की उम्मीद में लंबे समय से सरकारी ऑफिसों के धक्के खा-खाकर थक चुके एक किसान का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। किसान ने ऑफिस में बैठे एक गैर-जिम्मेदार सरकारी अधिकारी पर सरेआम चप्पल फेंकी। इस चौकाने वाली घटना का लाइव वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहा है और इसने पूरे देश में एक बड़ी बहस छेड़ दी है। मिली जानकारी के मुताबिक, कर्नाटक के इस किसान की मुताबिक, कर्नाटक के इस किसान की ज़मीन सूखे की वजह से पूरी तरह बर्बाद हो गई थी। किसान सरकार द्वारा घोषित आर्थिक मदद पाने के लिए महीनों से सरकारी ऑफिस के चक्कर लगा रहा था।



ऑफिस में बैठे बाबू हर बार नई तारीख देकर उसे टरका देते थे। रविवार को भी जब अधिकारी ने मदद की रकम को लेकर गोलमोल जवाब दिया तो किसान का कंट्रोल खो गया। बिना एक पल की झिझक के उसने अपनी चप्पलें निकाली और सीधे अधिकारी के मुंह पर मार दी। इससे पहले कि ऑफिस में मौजूद दूसरे लोग कुछ समझ पाते, किसान ने सिस्टम का घमंड चूर कर लिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर आते ही 'ट्रेंडिंग' हो गया है। यूजर्स इस वीडियो को इंस्टाग्राम रीलस और फेसबुक पर शेयर

कर रहे हैं। इस मामले पर नेटिजन दो ग्रुप में बंटे हुए हैं किसानों का सपोर्ट: ज्यादातर लोग किसानों के गुस्से को सही ठहरा रहे हैं। लोगों का कहना है कि भ्रष्ट और आलसी अधिकारियों के साथ भी ऐसा ही होना चाहिए जो 8 कबिन में बैठकर किसानों की मजबूरी का मजाक उड़ा रहे हैं। लॉ एंड ऑर्डर कुछ लोग मानते हैं कि कानून हाथ में लेना गुलत है, लेकिन ऐसी घटनाओं के लिए एडमिनिस्ट्रेशन की लालफीताशाही जिम्मेदार है। सरकारी लापरवाही के खिलाफ गुस्से का प्रतीक इस घटना के बाद लोकल एडमिनिस्ट्रेशन में हड़कप मच गया है। सरकारी कर्मचारियों की यूनियन ने इस हमले का विरोध किया है और किसान के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है, वहीं दूसरी तरफ किसान संगठन ऑफिशियली अन्नदाता की मदद के लिए आ गए हैं। संगठनों ने धमकी दी है।

राजकोट चाइल्ड रिफॉर्मेटरी से 11 बच्चों के भागने से बड़ा हंगामा

भागे 11 बच्चों में से 7 कुछ ही घंटों में मिल गए, 4 बच्चे अभी भी एडमिनिस्ट्रेशन और पुलिस की पकड़ से बाहर हैं



महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। शहर के कलावड रोड पर सरकारी चाइल्ड रिफॉर्मेटरी (ऑब्सर्वेशन होम) से रविवार सुबह कानून से जुड़े 11 बच्चों (बाल अपराधी) के भागने की एक चौकाने वाली घटना सामने आई है। इस घटना के बाद चाइल्ड रिफॉर्मेटरी के सिक्वोरिटी सिस्टम पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं और पूरा पुलिस सिस्टम सकतने में आ गया है। हालांकि, पुलिस ने तुरंत एक्शन मोड में अलग-अलग टीमों बनाकर जांच शुरू की और भागे 11 बच्चों में से 7 को ढूँढ़ने में कामयाब रही, जबकि बाकी 4 बच्चों की तलाश अभी भी जारी है।

पूरी घटना कैसे हुई?

मिली जानकारी के मुताबिक, रविवार सुबह जब चाइल्ड रिफॉर्मेशन सेंटर के कर्मचारी अपने रोजाना के काम में बिजी थे, तो ये 11 बच्चे वीकेंड की छुट्टी और सिक्वोरिटी में कमी का फायदा उठाकर प्लान के मुताबिक वहाँ से भाग निकले। शक है कि बच्चे रिफॉर्मेशन सेंटर के अंदर से ही कोई रास्ता बनाकर या दीवार फांदकर भागे। रविवार सुबह जब अधिकारियों ने बच्चों की गिनती की, तो संस्था के अधिकारी यह देखकर हैरान रह गए कि 11 बच्चे गायब हैं। बच्चों के भागने की जानकारी मिलते ही संस्था के हेड ने तुरंत लोकल पुलिस को इन्फॉर्म किया। पुलिस ने शहर के एंटी-एक्टिविटी पॉइंट, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन जैसे इलाकों को घेर लिया और जांच तेज कर दी। पुलिस की कड़ी पूछताछ और मुखबियों के नेटवर्क की वजह से शाम तक अलग-अलग जगहों से 7 बच्चों को पकड़ा गया है। इस घटना ने चाइल्ड रिफॉर्मेशन सेंटर की अंदरूनी सिक्वोरिटी और वहाँ तैनात गार्ड्स के काम करने के तरीके पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बड़े अधिकारियों ने इस बात की भी जांच शुरू कर दी है कि इतनी बड़ी संख्या में बच्चे एक साथ कैसे भाग गए, और सिक्वोरिटी वालों की नजर से बचकर भाग गए। पुलिस अभी बाकी चार बच्चों को पकड़ने के लिए अलग-अलग इलाकों में CCTV फुटेज की जांच कर रही है।

संक्षिप्त न्यूज

बिजली बिल अपडेट के नाम पर आर्किटेक्ट से 8.41 लाख की ठगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिद्धपुर। आए मुंबई के आर्किटेक्ट शब्बीर ताहिर उमरेठवाला साइबर ठगी के शिकार हुए हैं। जालसाज ने टाटा पावर का बिजली बिल अपडेट करने के बहाने उनसे 179 रुपये ऑनलाइन भराया। इसके बाद पेमेंट वेरिफिकेशन के नाम पर वीडियो कॉल करवाकर उनकी मोबाइल स्क्रीन शेयर करा ली। जैसे ही आर्किटेक्ट ने अपना कोटक महिंद्रा बैंक ऐप खोलकर सीक्रेट एमपिन डाला, जालसाज ने स्क्रीन पर उसे देख लिया और फल भर में खाते से 8,41,293 रुपये पार कर दिए।

हारिज में नाबालिग से दुष्कर्म, तीन आरोपियों के खिलाफ पोवसों के तहत केस दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाटन। हरिज तालुका में एक नाबालिग से बार-बार दुष्कर्म का मामला सामने आया है। वागोसन गांव के तीन आरोपियों अश्विन ठाकोर, सुरेशजी ठाकोर और प्रहलादजी ठाकोर ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर अलग-अलग समय पर उसका शारीरिक शोषण किया। इसके कारण नाबालिग आठ महीने की गर्भवती हो गई। परिजनों को जब इसका पता चला तो उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

महंगाई का एक और झटका: वडोदरा में रिक्शा का किराया भारी बढ़ा,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा. शहर में सीएनजी और पेट्रोल की बढ़ती कीमतों को देखते हुए रिक्शा एसोसिएशन ने किराया बढ़ाने का फैसला किया है। इसके तहत मिनिमम रिक्शा किराए में सीधे 10 रुपये की बढ़ोतरी की गई है, जिससे अब न्यूनतम किराया 20 रुपये की जगह 30 रुपये हो जाएगा। नया किराया 1 जुलाई 2026 से पूरे शहर में लागू होगा। रिक्शा चालकों का कहना है कि ईंधन, स्पेयर पार्ट्स और महंगाई के कारण पुराना किराया किराया नहीं रह गया था। इस फैसले से शहर के करीब 80 हजार रिक्शा ड्राइवर्स को राहत मिलेगी, लेकिन रोजाना सफर करने वाले मध्यम वर्ग, महिलाओं और छात्रों के बजट पर इसका सीधा असर पड़ेगा।

गोधरा में कृषि राज्य मंत्री रमेश कटारा का टीचरों पर कटाक्ष

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोधरा। पंचमहल जिले के हेडक्वार्टर गोधरा में आयोजित एक प्रोग्राम में राज्य के कृषि मंत्री रमेश कटारा ने टीचरों की सैलरी और पंच को लेकर बड़ा और विवादाित बयान दिया है। अपने चलते भाषण के दौरान मंत्री ने हल्के-फुल्के अंदाज में टीचरों पर तीखे हमले किए थे। उन्होंने मंच से कहा था कि 8वीं और 10वीं पंच मिलने के बाद भी भूख नहीं मिलती। सार्वजनिक मंच से संबोधित करते हुए मंत्री रमेश कटारा ने मौजूदा टीचरों और कर्मचारियों को पुराने दिनों की याद दिलाकर उन्हें आईना दिखाते की कोशिश की। उन्होंने कहा कि आज के समय में बड़े पैमाने पर सैलरी में बढ़ोतरी और अलग-अलग पंचायतों से मिलने वाले फायदे मिलने के बावजूद असंतोष है। बड़ों से पूछें, एक समय था जब लोग सिर्फ पांच सौ या हजार रुपये की मामूली सैलरी में पूरी जिंदगी नौकरी करते थे और कोई शिकायत नहीं होती थी।

साइबर और लव जिहाद अलर्ट मैट्रिमोनियल साइट पर 'आदित्य' बनकर महिलाओं को बहला-फुसलाकर ठगने वाला करीम पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर में मैट्रिमोनियल साइट के जरिए महिलाओं की पहचान छिपाने का एक बड़ा स्कैम सामने आया है। करीम नाम के एक शख्स ने अपनी नकली प्रोफाइल बनाकर खुद को बड़ा बिजनेसमैन बताया और 'आदित्य पटेल' के नाम से महिलाओं को बहला-फुसलाकर ठग रहा था। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जागरूकता दिखाते हुए इस अपराधी का पर्दाफाश कर उसे पुलिस के हवाले कर दिया है। पुलिस जांच में आरोपी के मोबाइल फोन में महिलाओं के 8,000 से ज्यादा फोटो और वीडियो मिलने पर पुलिस भी हैरान है। आरोपी करीम ऑनलाइन मैट्रिमोनियल साइट्स पर ऐसी महिलाओं को ढूँढता था जो विधवा हों या जिनका तलाक का केस चल रहा हो। ऐसी महिलाओं के अकेलेपन और मजबूरी का



फायदा उठाकर वह आदित्य पटेल बनकर उनसे बातचीत शुरू करता था। महिलाओं का भरोसा जीतने के लिए उसने आदित्य पटेल के नाम से नकली इलेक्शन कार्ड और दूसरे नकली पहचान के डॉक्यूमेंट भी बना रखे थे।

लंबी बातचीत के बाद शक है कि वह महिलाओं को पैसे और शारीरिक नुकसान पहुंचा रहा है। करीम से गहराई से पूछताछ शुरू कर दी है। ऑनलाइन लाइफ पार्टनर ढूँढते समय महिलाओं को बहुत सावधान

रहना चाहिए मैट्रिमोनियल साइट्स पर ऐसे फ्राँड से बचने के लिए महिलाओं को कुछ बातों का बहुत ध्यान रखना होगा प्रोफाइल को पूरी तरह से चेक करें: किसी भी व्यक्ति की प्रोफाइल कितनी भी आकर्षक क्यों न हो, उस पर ऑख बंद करके भरोसा न करें। उनके सोशल मीडिया अकाउंट (जैसे लिंक्डइन, फेसबुक या इंस्टाग्राम) चेक करें और जिस कंपनी या बिजनेस का वे इस्तेमाल कर रहे हैं, उसे गूगल पर सर्च करें।

खुद जाकर क्रेडेंशियल चेक करें और वेरिफाई करें: अगर दूसरा व्यक्ति WhatsApp पर कोई सरकारी टूट भेजता है, तो उससे संपर्क न हों। इस डिजिटल जमाने में, उसे एडिक्ट करके नकली टूट कार्ड बनाना बहुत आसान है। अपने साथ कोई करीबी रिश्तेदार या दोस्त रखें: जब भी आप किसी

मैट्रिमोनियल साइट पर पहली बार किसी व्यक्ति से मिलें, तो उससे किसी पब्लिक जगह पर मिलें और हमेशा अपने साथ किसी परिवार के सदस्य या भरोसेमंद दोस्त को रखें। प्रोफाइल फोटो या वीडियो शेयर न करें: रिश्ते की शुरुआत में या बातचीत के दौरान कभी भी अपनी पर्सनल या सेंसिटिव फोटो या वीडियो दूसरे व्यक्ति को न भेजें। इस डेटा का इस्तेमाल डिजिटल मीडिया में ब्लैकमेलिंग के लिए किया जा सकता है। फाइनैशियल लेन-देन से दूर रहें: अगर कोई बातचीत के कुछ दिनों के अंदर पैसे की दिक्कत या बिजनेस इमरजेंसी का हवाला देकर पैसे मागे, तो अलर्ट हो जाएं और तुरंत रिश्ता खत्म कर दें। याद रखें, ऑनलाइन दुनिया में सावधानी ही सबसे अच्छा बचाव है। अगर आपको कोई भी सख्त गतिविधि दिखे, तो तुरंत अपने परिवार को बताएं या पुलिस से संपर्क करें।

MP जशवंत सिंह भाभोर के कहने के बाद, प्रशासन ने झालोद में दबाव बनाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। शहर में ट्रैफिक की समस्या पैदा करने वाले दबावों के खिलाफ पुलिस और प्रशासन अब एक्शन मोड में आ गया है। दाहोद जिले के MP जशवंत सिंह भाभोर को जैसे ही शहर में दबाव और ट्रैफिक की समस्या के मुद्दे पर मौखिक रूप से बताया गया, प्रशासन एक्शन में आ गया है। शनिवार को झालोद नगर पालिका में दाहोद जिले के MP जशवंत सिंह भाभोर की मौजूदगी में एक जरूरी एडमिनिस्ट्रेटिव मीटिंग हुई। मीटिंग में शहर के नेता, नगर पार्षद, चौफ ऑफिसर और D.Y.S.P. धीरज पटेल शामिल हुए। इस दौरान शहर में बढ़ते ट्रैफिक, दुकानदारों से हवा का दबाव, अवैध झोपड़ियां और सरकारी जमीन पर दबाव के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई। सांसद के निर्देश के बाद डी.वाई.एस.पी. धीरज पटेल समेत पुलिस के कार्मिकों ने पीआई रवि गामित और पीएसआई शैलेंद्र सिसोदिया के सीधे मार्गदर्शन में शहर के



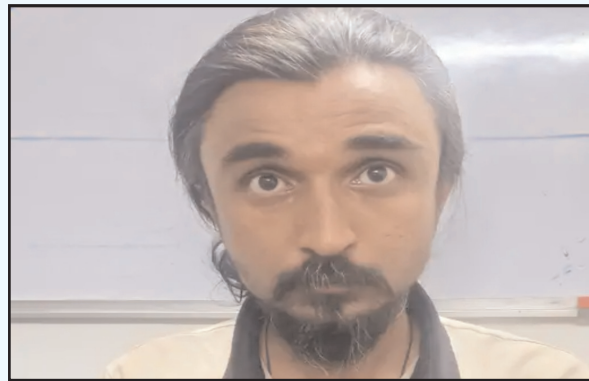
अलग-अलग इलाकों में दबाव हटाने का अभियान शुरू किया। ट्रैफिक में रुकावट डालने वाले दबाव, सड़क पर रखे सामान और अवैध कब्जे वाले इलाकों से दबाव हटाया गया। पुलिस सिस्टम ने साफ किया है कि मौजूदा कार्रवाई चैतावनी के तौर पर की गई है। लेकिन अब से अगर कोई व्यापारी या व्यक्ति सड़कों पर दबाव डालकर ट्रैफिक में रुकावट डालता है तो उसके खिलाफ सीधी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सिस्टम ने साफ कहा है कि दबाव हटाने के अभियान में किसी भी व्यक्ति, राजनीतिक नेता या किसी और की सिफारिश नहीं मानी जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले हर व्यक्ति के खिलाफ बराबर कार्रवाई की जाएगी। मिली जानकारी के मुताबिक अब पुलिस सिस्टम शहर के मुख्य मार्गों, बाजारों और ट्रैफिक प्रभावित इलाकों में रेगुलर पेट्रोलिंग करेगा। सड़कों और रास्तों पर रुकावटों के लिए

रोजाना नजर रखी जाएगी और जहाँ भी रुकावट दिखेगी, तुरंत कार्रवाई की जाएगी। सिस्टम ने आगे कहा है कि आने वाले दिनों में न सिर्फ रुकावटें हटाई जाएंगी, बल्कि नियमों का उल्लंघन करके सड़क पर रखे गए सामान को भी जब्त किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर नगर पालिका की टीम ट्रैक्टर और दूसरे सामान के साथ पहुँचकर रुकावट डालने वालों का सामान जब्त कर लेगी। फिलहाल, हवा में बनी रुकावटों और ट्रैफिक में रुकावट डाल रहे रुकावटों को हटाने का काम चल रहा है। बताया जा रहा है कि जल्द ही पूरे प्रशासनिक सिस्टम के तालमेल से शहर में गैर-कानूनी रुकावटों के खिलाफ भी एक खास अभियान चलाया जाएगा। उम्मीद है कि पुलिस और प्रशासनिक सिस्टम की इस कार्रवाई से शहर में ट्रैफिक सिस्टम और ज्यादा आसान हो जाएगा। सिस्टम का साफ संदेश है कि आम सड़कों पर गैर-कानूनी रुकावटें किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पुलिस ने इदर घाटी के गंभीरपुरा इलाके से एक युवक को चरस के साथ गिरफ्तार किया है।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गंभीरपुरा। पुलिस ने NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। गिरफ्तार युवक की पहचान कुणालकुमार प्रकाशभाई सुथार के रूप में हुई है। वह मूल रूप से इदर तालुका के फिचोद गांव का रहने वाला है और फिलहाल इदर शहर के पास मधुवन सोसायटी के मकान नंबर 24 में रहता है। इदर पुलिस से सूचना मिली थी कि घाटी के गंभीरपुरा इलाके में एक युवक नशीले पदार्थों के धंधे में शामिल है। इसी सूचना के आधार पर पुलिस ने छापा मारकर कुणाल कुमार को गिरफ्तार कर लिया। इदर पुलिस स्टेशन के PSI भी.एन. चौहान ने इस मामले में केस दर्ज किया है। पुलिस अब गहराई से जांच कर रही है कि यह चरस इदर में कहाँ से



पहुँची और इस रैकेट में और कौन-कौन शामिल है। गौरतलब है कि इदर शहर और साबरकांठा जिले के तालुका में युवाओं में ड्रग्स लेने की दर बढ़ रही है, जो चिंता की बात है। शहर के कुछ खास इलाकों में ड्रग्स लेने की दर बहुत बढ़ गई है। इदर शहर में बालाजी कॉम्प्लेक्स के पीछे खुले मैदान में शाम के समय बड़ी संख्या में युवा नशे में धुत दिखते हैं। दूसरी ओर, इदर शहर के किले के नीचे भी यह प्रदूषण दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। दूसरी ओर, इदर शहर में महाराणा सकल के पास भी शाम के समय बड़ी संख्या में युवा नशे में धुत दिखते हैं। अगर पुलिस सतर्क रहे और जांच करे, तो ऐसे युवाओं को ड्रग्स लेने से बचाया जा सकता है।

वडाली पुलिस ने 20 से ज्यादा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

साबरकांठा। कांग्रेस की किसान अधिकार यात्रा में हिस्सा लेने के लिए वडाली से गांधीनगर जा रहे थे। कांग्रेस ने किसानों के अलग-अलग पेंडिंग मुद्दों और अधिकारों को उठाने के लिए अहमदाबाद के शांतिपुरा चौकड़ी से गांधीनगर तक 'किसान अधिकार यात्रा' निकाली है। इस यात्रा में, लगभग 20 किसान संगठनों और ट्रैक्टरों के साथ किसान और कांग्रेस कार्यकर्ता गांधीनगर की ओर मार्च कर रहे हैं। हालांकि, पुलिस ने वडाली तालुका और शहर से उन कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया था। पुलिस की इस कार्रवाई से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में गुस्सा है।



शामिल होने के लिए गांधीनगर की ओर जा रहे थे। इस बीच, वडाली तालुका और शहर से 20 से ज्यादा कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता गांधीनगर के लिए निकले थे। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए वडाली पुलिस ने इन सभी कार्यकर्ताओं को रास्ते में ही हिरासत में ले लिया था। पुलिस की इस कार्रवाई से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में गुस्सा है।

कामरेज से 'लुटेरी दुल्हन' गैंग के दो सदस्य गिरफ्तार: शादी के नाम पर 1.51 लाख लेकर दुल्हन को भगा ले गए थे!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कामरेज/सूरत। सूरत जिला रहल पुलिस ने एक 'लुटेरी दुल्हन' गैंग का पर्दाफाश किया है जो सूरत के ग्रामीण इलाकों में शादी के नाम पर ठगी कर रहा था। पुलिस ने इस गैंग के दो एक्टिव सदस्यों को कामरेज के मामदेव चौक के पास से गिरफ्तार किया है। गैंग ने लड़की की शादी पीड़ित लड़के से करावा दी और 1.25 लाख रुपये से ज्यादा लेकर दुल्हन के चक्कर में पागल हो गए। हालांकि, आखिरकार, क्राइम खत्म होने के बाद दोनों ठग पुलिस के शिकजे में आ गए हैं। पुलिस ने इस क्राइम में शामिल मुख्य साजिशकर्ता दिलसुख पिपलिया और मुकेश चावड़ा को गिरफ्तार कर लिया है और कानूनी कार्रवाई कर रही है। उन्होंने अपने चचेरे भाई की मौत का झामा रचा और दुल्हन को भगा ले गए। पुलिस भी इस नापाक गैंग के काम करने का तरीका जानकर हैरान रह गई। घटना की डिटेल्स ये हैं कि इस गैंग ने एक युवक को शादी का लालच देकर जाल में फंसाया था। शादी और रसम तय करने के नाम पर, उन्होंने युवक



से 1,51,000 (1.51 लाख) रुपये केश लिए थे। पैसे लेने के बाद, शादी भी धूमधाम से तय कर दी गई। लेकिन असली खेल शादी खत्म होते ही शुरू हुआ। जैसे ही गैंग शादी के मंडप से निकला, उन्होंने नया झामा किया। उन्होंने दूल्हे और उसके परिवार से कहा, 'लड़की के कजिन की अचानक मौत हो गई है, इसलिए हमें तुरंत जाना है।' इसी बहाने वे नई-नवेली लड़की को अपने साथ ले गए। दुल्हन वापस नहीं आई और मुसीबत खड़ी हो गई। कई दिन बीत जाने के बावजूद, जब लड़की अपने ससुराल नहीं लौटी और गैंग के लोगों ने अपने फोन बंद

कर लिए, तो पीड़ित दूल्हे और उसके परिवार को एहसास हुआ कि उनके साथ धोखा हुआ है। आखिर में मामला पुलिस स्टेशन पहुंचा। सूरत डिस्ट्रिक्ट रहल पुलिस ने टेकिनल सर्विलांस और मुखबिरों के आधार पर निगरानी रखी और कामरेज के मामदेव चौक से दिलसुख पिपलिया और मुकेश चावड़ा को पकड़ा। पुलिस ने इस गैंग के दूसरे सदस्यों को लुटेरी दुल्हन की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने यह भी पता लगाना शुरू कर दिया है कि इस गैंग ने पहले और कितने युवाओं को अपना शिकार बनाया है।

अहमदाबाद: धोलका के बाद अब बावला में अवैध माइनिंग पकड़ी गई, 1 करोड़ का माल ज़ब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। अधिकमास की पवित्र सोमवती अमावस्या के पावन अवसर पर, झालोद के ऐतिहासिक में आस्था और भक्ति का एक अनोखा सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही त्रिवेणी संगम के पवित्र तट पर हजारों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। हर-हर महादेव के जयकार: पूरा परिसर 'बम-बम भोलें' और 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गूँज उठा। बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान किया और भगवान पंचमुखी मंडलेश्वर के दर्शन कर पुण्य कमाया। हिंदू शास्त्रों के अनुसार, भगवान विष्णु को समर्पित 'अधिकमास' और पापों का नाश करने वाली 'सोमवती अमावस्या' के इस दुर्लभ संयोग पर किए गए धार्मिक कार्यों का फल कई गुना बढ़ जाता है। इस पावन मौके पर भक्तों की सुविधा के लिए ट्रस्ट द्वारा सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं। हम प्रार्थना करते हैं कि भगवान पंचमुखी मंडलेश्वर सभी के जीवन में सुख-शांति लाएं।



नडियाद में नकली पावर ऑफ अटॉर्नी और एसिड अटैक की धमकी देने वाले मासूम उर्फ टीनो महिडा को Pasa के तहत जेल भेजा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। नडियाद और आस-पास के इलाकों में अपनी आपराधिक गतिविधियों से लोगों में डर और दहशत का माहौल बनाने वाले मासूम उर्फ टीनो कालूभाई महिडा पर पुलिस ने नजरें गड़ा दी हैं। धोखाधड़ी, साजिश और धमकाने जैसे गंभीर अपराधों में शामिल इस आरोपी के खिलाफ Pasa के तहत मामला दर्ज कर उसे भावनगर जिला जेल भेज दिया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक, नडियाद में पीज रोड पर इडन गार्डन सोसायटी, मां बंगलोज में रहने वाला आरोपी मासूम उर्फ टीनो कालूभाई महिडा पहले भी धोखाधड़ी के अपराध में शामिल था। उसने अपने बुरे इरादों को अंजाम देने के लिए एक गहरी साजिश रची थी, जिसमें उसने नकली पावर ऑफ अटॉर्नी (दस्तावेज) तैयार किए थे। इतना ही नहीं, उसने इन नकली दस्तावेजों को असली बताकर एक बड़ा फ्राँड किया था। जब इस बात का विरोध किया गया, तो आरोपियों ने पीड़ित और दूसरों पर एसिड से हमला करने की डरावनी धमकियां दीं। इन आपराधिक गतिविधियों और आतंक के कारण स्थानीय लोगों में बहुत डर फैल गया था। लोगों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और ऐसे तत्वों पर लगातार लगे के लिए पुलिस सिस्टम ने सख्त कदम उठाए हैं।



16 जून 2026, मंगलवार

दैनिक राशिफल

चंद्रमा मीन राशि में | सूर्य मिथुन राशि में

ग्रहों की यह स्थिति भावनात्मक संतुलन, नए अवसरों और पारिवारिक मामलों पर विशेष ध्यान देने का संकेत दे रही है। कई राशियों को आर्थिक लाभ और करियर में प्रगति के योग बन रहे हैं।

1. मेष राशि आज का दिन आपके लिए सकारात्मक है। आर्थिक स्थिति सुधर रही है। परिवार में खुशियों का माहौल है।	2. वृषभ राशि आज का दिन आपके लिए सकारात्मक है। आर्थिक स्थिति सुधर रही है। परिवार में खुशियों का माहौल है।	3. मिथुन राशि आज का दिन आपके लिए सकारात्मक है। आर्थिक स्थिति सुधर रही है। परिवार में खुशियों का माहौल है।
4. कर्क राशि आज का दिन आपके लिए सकारात्मक है। आर्थिक स्थिति सुधर रही है। परिवार में खुशियों का माहौल है।	5. सिंह राशि आज का दिन आपके लिए सकारात्मक है। आर्थिक स्थिति सुधर रही है। परिवार में खुशियों का माहौल है।	6. कन्या राशि आज का दिन आपके लिए सकारात्मक है। आर्थिक स्थिति सुधर रही है। परिवार में खुशियों का माहौल है।
7. तुला राशि आज का दिन आपके लिए सकारात्मक है। आर्थिक स्थिति सुधर रही है। परिवार में खुशियों का माहौल है।	8. वृश्चिक राशि आज का दिन आपके लिए सकारात्मक है। आर्थिक स्थिति सुधर रही है। परिवार में खुशियों का माहौल है।	9. धनु राशि आज का दिन आपके लिए सकारात्मक है। आर्थिक स्थिति सुधर रही है। परिवार में खुशियों का माहौल है।
10. मकर राशि आज का दिन आपके लिए सकारात्मक है। आर्थिक स्थिति सुधर रही है। परिवार में खुशियों का माहौल है।	11. कुम्भ राशि आज का दिन आपके लिए सकारात्मक है। आर्थिक स्थिति सुधर रही है। परिवार में खुशियों का माहौल है।	12. मीन राशि आज का दिन आपके लिए सकारात्मक है। आर्थिक स्थिति सुधर रही है। परिवार में खुशियों का माहौल है।

आज का विशेष उपाय: मंगलवार के दिन हनुमान जी को सिंदूर और चमेली का तेल अर्पित करें। तारा हनुमान चालीसा का पाठ करें। ध्यान रहे, आर्थिक लाभ और सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होगी।

राज्य में चल रहे किसान आंदोलन के बीच गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी का बड़ा बयान!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात में पिछले कुछ दिनों से किसान अपनी अलग-अलग मांगों को लेकर आंदोलन की राह पर हैं, वहीं इस गरमागरम माहौल के बीच राज्य के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने एक बहुत ही अहम बयान दिया है। हर्ष संघवी ने सरकार का पक्ष लेते हुए साफ कहा है कि मुख्यमंत्री हमेशा दुनिया का भलाई की चिंता करते रहे हैं और किसान साथियों के लिए बड़े दिल से फैसले लिए हैं। एक तरफ किसान अपनी मांगों पर अड़े हैं, वहीं दूसरी तरफ सरकार का यह पॉजिटिव बयान काफी इशारा करने वाला माना जा रहा है। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने रिपोर्टर्स से बातचीत में कहा कि गुजरात सरकार किसानों की भलाई के लिए पूरी तरह से तैयार है। पहले भी जब भी किसानों पर कोई संकट आया या कोई मुद्दा उठा, मुख्यमंत्री ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तुरंत फैसले लिए हैं। मौजूदा आंदोलन के बीच उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि सरकार किसानों के साथ है और उनकी समस्याओं का सही हल निकालने को लेकर हमेशा पॉजिटिव रही है। बातचीत के संकेत: हर्ष सांघवी के इस 'उदार' बयान से संकेत मिल रहे हैं कि सरकार किसानों के साथ किसी भी तरह के टकराव के मूड में नहीं है और रुकावट को दूर करने के लिए तैयार है।

कांग्रेस की 'किसान अधिकार यात्रा' में भयानक हंगामा, किसानों के बीच हिंसक झड़प

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/गांधीनगर। गुजरात की पॉलिटिक्स में आज, 15 जून को सबसे बड़ा सुलगाता और हिला देने वाला पॉलिटिकल धमाका हुआ है। हजारों धरतीपुत्र आज गांधीनगर की गद्दी हिलाने के लिए सड़कों पर उतर आए हैं। किसानों ने सीधे BJP सरकार के खिलाफ मुझे उठाई है। कांग्रेस की लीडरशिप में आज 1111 ट्रैक्टरों के साथ अहमदाबाद के शांतिपुरा चौकड़ी से गांधीनगर तक निकली 'किसान अधिकार यात्रा' जंग के मैदान में बदल गई है! मामला तब और बढ़ गया जब पुलिस ने रैली को रोकने के लिए JCB और बैरिकेड लगा दिए। किसानों के ट्रैक्टर और पुलिस की JCB आमने-सामने आने से भारी झड़प और हंगामा हुआ है। 1111 ट्रैक्टरों की दहाड़: 20 से ज्यादा किसान संगठनों का सपोर्ट किसानों के हक की लड़ाई के लिए रखी गई इस बड़ी रैली में सिर्फ कांग्रेस ही नहीं, बल्कि पूरे गुजरात से 20 से ज्यादा एक्टिव किसान संगठन शेरों की तरह दहाड़ते हुए शामिल हुए हैं। जंग शांतिपुरा चौकड़ी से 1111 ट्रैक्टर एक साथ लाइन में लगे और गांधीनगर की ओर मार्च करने लगे, तो हाईवे जाम हो गया और सरकार की सांस फूल गई। 'कानून को नजरअंदाज करके किसानों की जमीन हड़पी जा रही है' - विपक्ष का हमला कांग्रेस और किसान नेताओं ने BJP सरकार पर कड़ा हमला बोलते हुए कहा है, 'मौजूदा सरकार में कानूनों को नजरअंदाज करके गरीब किसानों की कीमती जमीन उद्योगपति हड़प रहे हैं। यह दुनिया की दौलत बर्बाद करने की एक बड़ी साजिश है, जिसे गुजरात के किसान अब बर्दाश्त नहीं करेंगे!'

सुरत SBI बैंक रॉबेरी केस: मास्टरमाइंड एलेक्स का खास साथी बिहार से गिरफ्तार!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

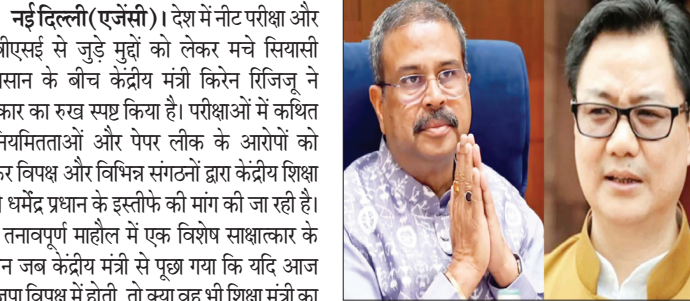
सुरत। सुरत क्राइम ब्रांच को सुरत में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ब्रांच में हुई सनसनीखेज लूट के मामले में एक और बड़ी कानूनी मिली है। पुलिस टीम ने इस हाई-प्रोफाइल लूट के मामले के मास्टरमाइंड माने जाने वाले रोहित नाम के एक आदमी को बिहार से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में जो चौकाने वाले खुलासे हुए हैं, उन्हें सुनकर पुलिस भी हैरान है। बैंक लूटने के बाद आरोपी रोहित सीधे हरिद्वार, ऋषिकेश और बाबा केदारनाथ के दर्शन करने गया था। पुलिस जांच में पता चला है कि यह लूट कोई अचानक हुई घटना नहीं थी, बल्कि इसके पीछे साइबरमैटिक और पावरफुल प्लानिंग थी। मास्टरमाइंड एलेक्स और उसका साथी रोहित हजिरा इलाके में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की इस ब्रांच को टारगेट करने से पहले लगातार तीन दिन तक इसके आस-पास घूमते रहे थे। उन्होंने इन सभी चीजों की बारीकी से टोह ली थी, जिसमें यह भी शामिल था कि बैंक में भीड़ कब कम होती है, सिक्वोरिटी के क्या इंतजाम हैं और लूट के बाद किस रास्ते से भागना आसान होगा।

लूटे गए माल पर पार्टी: टग फिर केदारनाथ का आया! इस लूट के मामले में सबसे दिलचस्प और चौकाने वाला मोड़ यह है कि सुरत में करोड़ों रुपये लूटने के बाद रोहित कहीं छिपने के बजाय घूमने निकल गया। रोहित लूट के पैसे से मिले काले धन से उत्तराखंड में धार्मिक जगहों पर पूजा-पाठ कर रहा था। वह हरिद्वार और ऋषिकेश गया और वहां से वह बाबा केदारनाथ के दर्शन भी करने गया। जैसे वह पाप के पैसे से पुण्य कमाने निकला हो, वह धार्मिक जगहों पर मौज-मस्ती कर रहा था। सुरत क्राइम ब्रांच और लोकल पुलिस टीम ने टेक्निकल सर्विलांस लोकेशन ट्रैस की।



जब उनका कोई दोष नहीं है तो इस्तीफा क्यों देंगे शिक्षा मंत्री

- नीट परीक्षा मामले में मंत्री किरन रिजिजू ने स्थित स्पष्ट की



नई दिल्ली(एजेंसी)। देश में नीट परीक्षा और सीबीएसई से जुड़े मुद्दों को लेकर मंचे सियासी घमासान के बीच केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने सरकार का रुख स्पष्ट किया है। परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों को लेकर विपक्ष और विभिन्न संगठनों द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की जा रही है। इस तनावपूर्ण माहौल में एक विशेष साक्षात्कार के दौरान जब केंद्रीय मंत्री से पूछा गया कि यदि आज भाजपा विपक्ष में होती, तो क्या वह भी शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगती? इस पर एक इंटरव्यू में रिजिजू ने जवाब देते हुए कहा कि व्यवस्था को समझने में एक बुनियादी फर्क है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी घोटाले या धोखाधड़ी में सीधे तौर पर मंत्री या उनके निजी स्टाफ की संलिप्तता होती है, तो निश्चित रूप से उसकी जिम्मेदारी मंत्री की बनती है। परंतु, जब किसी स्वायत्त संस्था के भीतर कोई तकनीकी या प्रशासनिक समस्या उत्पन्न होती है, तो उसके लिए वह

लेने या सरकारी तंत्र के साथ छेड़छाड़ करने के सीधे आरोप नहीं लगे हैं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जब वर्तमान सत्तापक्ष विपक्ष में हुआ करता था, तब तत्कालीन सरकार के मंत्रियों के खिलाफ हर महीने बड़े घोटाले सामने आते थे। इसलिए कांग्रेस और वर्तमान सरकार की कार्यप्रणाली के बीच के इस बड़े अंतर को जनता को समझना चाहिए। इसी दौरान, हाल ही में उभरे राजनीतिक संगठन कॉंग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) से जुड़े सवाल पर भी रिजिजू ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान के तहत किसी को भी नया राजनीतिक दल बनाने का पूरा अधिकार है, परंतु किसी को भी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था का मजाक बनाने या उसे कमजोर करने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने तंत्र कसते हुए कहा कि यह नया संगठन केवल कांग्रेस के वोट बैंक के लिए चुनौती पेश कर रहा है, इसलिए इस पर चिंता करने की जरूरत

भाजपा को नहीं बल्कि कांग्रेस को है। दूसरी तरफ, इस पूरे मुद्दे को लेकर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ एक बड़े और व्यापक देशव्यापी आंदोलन की रूपरेखा तैयार कर ली है।

17 जून से सड़का पर उतरेंगी कांग्रेस

कांग्रेस आगामी 17 जून से पेपर लीक, परीक्षाओं में विफलता और बढ़ती बेरोजगारी के मुद्दों को लेकर सड़कों पर उतरने जा रही है। इस देशव्यापी अभियान की कमान स्वयं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी संभालेंगे। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, राहुल गांधी 17 जून को राजस्थान के कोटा में आयोजित एक विशाल छत्र सम्मेलन के जरिए इस आंदोलन की शुरुआत करेंगे। इसके बाद वे 10 जुलाई को इलाहाबाद (प्रयागराज), 11 जुलाई को पटना और 14 जुलाई को देश की राजधानी दिल्ली में बड़े छत्र सम्मेलनों को संबोधित कर सरकार को घेरेंगे।

आरएसएस प्रमुख भागवत जाएंगे अमेरिका-ब्रिटेन, यात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के चीफ मोहन भागवत अगले दो महीनों के अंदर अमेरिका और ब्रिटेन की यात्रा पर जा सकते हैं। इस दौरान वह भारतीय मूल के लोगों और कई सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। यह दौरा संघ के शताब्दी वर्ष के जश्न और वैश्विक स्तर पर संगठन के विस्तार का हिस्सा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भागवत की यात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कुछ कार्यक्रमों का आयोजन हिंदू स्वयंसेवक संघ (एचएसएस) द्वारा भी किया जाएगा, जो आरएसएस इंटरनेशनल विस्तार है। रिपोर्ट के मुताबिक आरएसएस इस समय अपने 100वें वर्ष के कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। संगठन देश और विदेश में भारतीय समुदाय के साथ संवाद बढ़ाने पर जोर दे रहा है। इस कड़ी में मोहन भागवत का अमेरिका और ब्रिटेन दौरा अहम माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती स्तर पर न्यूयॉर्क में कार्यक्रम की भी योजना बनाई जा रही है। सूत्रों का कहना है कि भागवत वहां भारतीय समुदाय को संबोधित कर सकते हैं। हालांकि कार्यक्रमों की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है। बता दें मोहन भागवत इससे पहले वर्ष 2016 में ब्रिटेन गए थे। उस दौरान उन्होंने हिंदू स्वयंसेवक संघ के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। एचएसएस विदेशों में भारतीय संस्कृति, योग, सेवा कार्यों और पारिवारिक मूल्यों को बढ़ावा देने का काम करता है। 17 यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब इंटरनेशनल स्तर पर कई भू-राजनीतिक चुनौतियां बनी हुई हैं। भारतीय प्रवासी समुदाय के बीच भारत और भारतीय संस्कृति को लेकर संवाद बढ़ाने को भी इस दौरे का प्रमुख उद्देश्य माना जा रहा है।



केरल सीएम का आदेश: संघ के कार्यक्रम में शामिल कुलपति माफी मांगें



-पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने गहरी चिंता जाहिर की

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री वी.डी.सतीशान ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह में तीन कुलपतियों के शामिल होने पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने इन कुलपतियों से सार्वजनिक माफी की मांग कर कहा कि उनका यह कृत्य उनके पद की गरिमा और केरल की स्थापित शैक्षिक परंपराओं के बिल्कुल विपरीत है। यह घटना तिरुवनंतपुरम में आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत द्वारा संबोधित कार्यक्रम में हुई, जिसमें केरल, एमजी और मलयालम विश्वविद्यालयों के कुलपति मौजूद थे। मुख्यमंत्री सतीशान ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से भागीदारी को गंभीर चुक करार दिया। उन्होंने कहा कि केरल का समाज कुलपति जैसे सम्मानित पद का बहुत आदर करता है, और अति-सांप्रदायिक विचारों के प्रचारक आरएसएस नेता के कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति से पद की गरिमा धूमिल हुई है। सतीशान ने स्पष्ट चेतावनी दी कि सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने वाली किसी भी

तृणमूल कांग्रेस में बगावत के बीच शत्रुघ्न सिन्हा को लेकर सस्पेंस बागी सांसदों के पत्र और दावों के बीच अभिनेता ने दी सफाई

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में मंचे आंतरिक घमासान के बीच एक बेहद चौकाने वाला मोड़ सामने आया है। रिवार को सांसद काकोली घोष दत्तदार की अगुवाई में तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों ने लोकसभा स्पीकर अम बिरला से मुलाकात की और औपचारिक रूप से सूचित किया कि वे 'नेशनलिस्ट स्टिडिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय करना चाहते हैं। बागियों ने लोकसभा अध्यक्ष से संसद के भीतर अपने गुट के लिए अलग बैठने की व्यवस्था करने की मांग की है। हालांकि, लोकसभा स्पीकर को पत्र सौंपने के दौरान सामने आई तस्वीरों ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है, क्योंकि वह टीएमसी के केवल 17 बागी सांसद ही मौजूद दिखाई दे रहे हैं, जबकि काकोली घोष का दावा है कि उन्होंने कुल 20 बागी सांसदों के हस्ताक्षर वाला आधिकारिक पत्र सौंपा है। इस संख्या बल के विवाद के बीच ही एनसीपीआई के एक सोशल मीडिया कदम ने राजनीतिक हलकों में खलबली मचा दी है। एनसीपीआई ने अपने ऑफिशियल फेसबुक अकाउंट से आसनसोल के सांसद और दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा की तस्वीर साझा करते हुए उनके पार्टी में शामिल होने पर खुशी जताई। पार्टी ने अपने पोस्ट में लिखा कि नेशनल



सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया के परिवार में एक जाने-माने जननेता का हार्दिक स्वागत है। हमें पूरा विश्वास है कि आपका लंबा राजनीतिक अनुभव, जनसंपर्क और लोगों के प्रति प्रतिबद्धता हमारे संगठन को और मजबूत तथा समृद्ध बनाएंगी। देश और जनता की भलाई के लिए मिलकर काम करते हुए, हम न्याय, समानता, पारदर्शिता और विकास को बढ़ावा देने के लिए काम करेंगे। इस पोस्ट के सामने आते ही यह बड़ा सवाल उठ खड़ा हुआ कि क्या

शत्रुघ्न सिन्हा का भी मूड बदल चुका है और वह जाने-माने जननेता का हार्दिक स्वागत है। हमें पूरा विश्वास है कि आपका लंबा राजनीतिक अनुभव, जनसंपर्क और लोगों के प्रति प्रतिबद्धता हमारे संगठन को और मजबूत तथा समृद्ध बनाएंगी। देश और जनता की भलाई के लिए मिलकर काम करते हुए, हम न्याय, समानता, पारदर्शिता और विकास को बढ़ावा देने के लिए काम करेंगे। इस पोस्ट के सामने आते ही यह बड़ा सवाल उठ खड़ा हुआ कि क्या

झारखंड राज्यसभा चुनाव : कांग्रेस की बढ़ी चिंता, विधायकों को एकजुट रखने की चुनौती

रांची (एजेंसी)। झारखंड में राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगमी तेज हो गई है। सतारुद गठबंधन के लिए दोनों सौदों पर जीत सुनिश्चित करना आसान नहीं दिख रहा है। एक ओर झारखंड मुक्ति मोर्चा के उम्मीदवार बेजनाथ राम मैदान में हैं, वहीं कांग्रेस ने प्रणव झा को प्रत्याशी बनाया है। दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी ने मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है। राजनीतिक गलियारों में सबसे बड़ी चर्चा संभावित कॉंस वोटिंग को लेकर है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कांग्रेस नेतृत्व अपने विधायकों को एकजुट रखने की कोशिश में जुटे हैं। गठबंधन को आशंका है कि कुछ विधायक मतदान के दौरान अलग रुख अपना सकते हैं, जिससे चुनावी गणित प्रभावित हो सकता है। परिमल नाथवानी को भारतीय जनता पार्टी का समर्थन प्राप्त है और वे लगातार विभिन्न विधायकों से संपर्क साध रहे हैं। उनके मैदान में उतरने से कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा के लिए मुकाबला और कठिन हो गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राज्यसभा की दूसरी सीट पर सबसे दिलचस्प संघर्ष देखने को मिल सकता है। हालांकि इंडिया गठबंधन को वाकफंथी विधायकों के समर्थन से कुछ राहत मिली है, लेकिन चुनावी समीकरण अब भी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। ऐसे में राज्यसभा चुनाव केवल संख्या बल का नहीं, बल्कि रणनीति और वोट प्रबंधन की परीक्षा बन गया है। मतदान के दिन सभी दलों की नजर अपने-अपने विधायकों की एकजुटता पर रहेगी।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहावना

-19 जून तक जारी रहेगा राहत का सिलसिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के निवासियों को सोमवार सुहृद भीषण गर्मी और उमस से उस समय बड़ी राहत मिली जब आसमान में घने बादल छा गए और कई इलाकों में झमाझम बारिश दर्ज की गई। इस अचानक हुई बारिश से तापमान में भारी गिरावट आई है और मौसम पूरी तरह सुहावना हो गया है। मौसम विभाग और मौसम विशेषज्ञों ने पहले ही उत्तर-पश्चिम विभाग में एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के प्रभाव से बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई थी, जिसका असर अब धरातल पर साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। सुहृद-सुहृद हई हई बारिश ने दिल्ली-एनसीआर के लोगों को चिपचिपी गर्मी से बड़ी राहत पहुंचाई है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार पिछले कुछ दिनों से दिल्ली समेत पूरे उत्तर-पश्चिम भारत में पश्चिमी विक्षोभ के साथ-साथ बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आने वाली नमी युक्त हवाओं का असर देखा जा रहा है। इन दोनों मौसमी प्रणालियों के संयुक्त प्रभाव के कारण दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों में भी व्यापक वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान कई मैदानी और पहाड़ी क्षेत्रों में हवा की गति 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच गई, जिससे जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने स्पष्ट बताया है कि फिलहाल यह पश्चिमी विक्षोभ उत्तर हरियाणा के ऊपर स्थित है और धीरे-धीरे आगे की ओर बढ़ रहा है। हालांकि इसके आगे बढ़ने से आने वाले समय में बारिश की तीव्रता में कुछ कमी आने की संभावना जरूर है, लेकिन उत्तर-पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश

का सिलसिला लगातार जारी रहेगा। वर्तमान स्थिति को देखते हुए मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और हरियाणा के लिए ये तो अल्ट जारी किया है, जबकि राजस्थान के कई हिस्सों में धूल भरी तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी है। ताजा पूर्वानुमान के अनुसार उत्तर-पश्चिम भारत में 19 जून तक मौसम का यह मिजाज बरकरार रहेगा और बारिश के साथ तेज हवाओं का दौर जारी रहेगा। पहाड़ी क्षेत्रों की बात करें तो जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में 13 से 19 जून के बीच रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है, जबकि हिमाचल प्रदेश में 14 से 19 जून तक लगातार वर्षा की गतिविधियां देखी जा सकती हैं। इसके साथ ही मैदानी क्षेत्रों में हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पंजाब और दिल्ली के आस-पास के क्षेत्रों में भी 19 जून तक छिटपुट से लेकर मध्यम स्तर की बारिश होने की पूरी संभावना जताई गई है।

संदीप पाठक जैसे नेता ने आप का साथ छोड़ दिया, पार्टी नेतृत्व भी हैरान

संजय सिंह बोले- संगठन के साथ दिल्ली-पंजाब की बड़ी जिम्मेदारी पाठक को दी थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी राधव चड्ढा बगावत कांड को अब तक समझ नहीं पाई है। पार्टी नेतृत्व अब भी हैरान है कि आखिर कैसे संदीप पाठक जैसे नेता ने साथ छोड़ दिया, जिन्हें संगठन में इतनी अहम जिम्मेदारी दी थी। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने स्वीकार किया है कि उन्हें या पार्टी में किसी को इस बात का अहसास नहीं था कि संदीप पाठक ऐसा कदम उठ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक पॉडकास्ट में तेजतर्रार नेता और आप सांसद संजय सिंह ने राधव चड्ढा के समेत सात सांसदों के पार्टी छोड़ने पर ज्यादा कुछ नहीं कहा लेकिन संदीप पाठक को लेकर बेहद हैरान नजर आए। उन्होंने अशोक मित्तल समेत कुछ राज्यसभा सांसदों को डराने और दबाव डालकर तोड़ने का आरोप लगाया है। संजय सिंह ने मरने दम तक उनके बीजेपी में न जाने का दावा करते हुए राधव चड्ढा वाली बगावत पर जवाब दिया, आप यह उम्मीद नहीं कर सकते कि हर आदमी एक ही हौसले का



होगा। अशोक मित्तल पर छाप पड़ा इंडी का, तीन दिन तक चलता रहा। उसके बेटे को प्रताड़ित किया गया, दबाव बनाया गया। चिट्ठी सामने रख दी गई साइन कर यदि बेटे को बचाना है तो। उनको डराया धमकाया गया, साइन करा लिया गया। राधव चड्ढा और आप के बीच दरार काफी बढ़ गई थी और बगावत से एक महीने पहले जब उन्हें राज्यसभा में उम्मेदारी के पद से हटाया गया था तभी यह साफ हो गया था कि राहुं अब अलग होने वाली है। हालांकि, अचानक उनके साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिखे राधव चड्ढा को लेकर सभी लोग हैरान रह गए थे।

संजय सिंह ने खुद को भी इसी आश्रय में बताया। पाठक को लेकर किए गए सवाल पर उन्होंने कहा, संदीप पाठक क्यों गए वही बात सकते हैं। मुझे भी आश्रय हुआ संदीप पाठक के जाने से अफसोस हुआ। संदीप पाठक को रोकने के सवाल पर संजय सिंह ने कहा कि इसकी भनक ही नहीं लगी। उन्होंने कहा कि रोकने की कोशिश तब होगी जब मैं जानू कि अतिक जा रहे हों, या आपके मन में कुछ ऐसा है कि पार्टी छोड़ सकते हों। यह पूरी इमानदारी से बता रहा हूँ, इसमें कोई राजनीतिक चालबाजी नहीं कर रहा हूँ। सीधे-सीधे सी बात रहा हूँ कि कभी कोई एहसास भी नहीं हुआ तब तक कि कि ये पार्टी छोड़ सकते हैं। संदीप पाठक को नजरअंदाज किए जाने के सवाल पर सांसद सिंह ने कहा कि यह तो गलत बात है, संगठन के निर्माण की बड़ी जिम्मेदारी संदीप पाठक को दी गई थी। पंजाब और दिल्ली में जिम्मेदारी दी गई, राज्यसभा में दी गई। यह तो गलत है कि उनकी ये शंका हो रही थी। ऐसा नहीं था।

राजद के कुनबे पर मंडराया टूट का संकट: क्या बिखरेंगे ताश के पत्तों की तरह?

राजद के फैसल रहमान और कांग्रेस के तीन विधायकों की गैरमौजूदगी ने इन अटकलों को पुख्ता कर दिया। अब फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधान पार्षद जीवन कुमार ने इन चर्चाओं को हवा देकर विपक्षी गुट में हलचल मचा दी है। भाजपा रणनीतिकारों के निशाने पर कई राजद विधायक हैं। इसमें ढका विधानसभा सेंट से राजद नेता फैसल रहमान का नाम प्रमुखता से सामने आ रहा है, जिन्होंने 2025 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के पवन कुमार

जायसवाल को मामूली अंतर से हराया था। सूत्रों के अनुसार, फैसल राजद से नाराज चल रहे हैं और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के संपर्क में भी हैं। राज्यसभा चुनाव के दौरान उनकी एनडीए के प्रति वफादारी भी सार्वजनिक हो चुकी है, और चर्चाओं को हवा देकर विपक्षी गुट में हलचल मचा दी है। भाजपा रणनीतिकारों के निशाने पर कई राजद विधायक हैं। इसमें ढका विधानसभा सेंट से राजद नेता फैसल रहमान का नाम प्रमुखता से सामने आ रहा है, जिन्होंने 2025 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के पवन कुमार

अनीता महतो (अनिता कुमारी) भी भाजपा के संपर्क टारगेट में हैं। अनीता की शादी अशोक महतो नामक अपराधी से हुई है, जो हाल ही में जेल से बाहर आए हैं। मुख्यमंत्री चौधरी के संपर्क में रहने के बाद से ही पाला बदलने की अटकलें तेज हैं। गोह के विधायक अमरेंद्र कुशवाहा को लेकर भी चर्चाएं हैं, हालांकि उनकी ओर से सीधा रुकनाव अभी तक नहीं दिया है। लेकिन बदलते राजनीतिक परिदृश्य में कुशवाहा राजनीति के देखकर उनके रुख में बदलाव की संभावना से इंकार नहीं कर सकते

हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद से ही राजद विधायकों के एनडीए के संपर्क में रहने की खबरें आती रही हैं, जिन्हें समय-समय पर चिराम पासवान और रामकृपाल यादव जैसे नेताओं ने भी हवा दी है। राज्यसभा चुनाव में इसका एक ट्रेंडर भी दिखा था। इस बार इन चर्चाओं को अधिक विश्वसनीय माना जा रहा है, क्योंकि देशभर में पश्चिम दलों में टूट की एक दिशा-सी चल पड़ी है। प्रथम गटल में 15 साल से सत्ता पर काबिज रही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) जिस तरह बिखरी है, या महाराष्ट्र में

उद्धव ठाकरे की शिवसेना में टूट के संकेत मिल रहे हैं, उससे राजद के बारे में चल रही अटकलों को और बल मिलता है। आम आदमी पार्टी के दो राज्यसभा सांसदों का भाजपा में जाना, फिर टीएमसी में टूट और अब बिहार में (यूबीटी) में बिखराव के संकेतों को देखकर राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि बिहार में राजद में भी टूट होती है, तब तक यह कोई आश्चर्य की बात नहीं होगी। जानकार मानते हैं कि क्षेत्रीय दलों में पड़ रही यह दरारें राजद के लिए भी एक बड़ा संकट पैदा कर रही हैं।



एफएसएसआई का भ्रामक दावों पर शिकंजा, कई फूड कंपनियों को नोटिस

- हेल्दी, ऑर्गेनिक, वीगन जैसे शब्दों के गलत इस्तेमाल पर कार्रवाई

नई दिल्ली ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसआई) ने भ्रामक ब्रांडिंग और उत्पाद दावों के जरिए लेबलिंग नियमों का उल्लंघन करने वाली कई खाद्य कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की है। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006 के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर कई फूड बिजनेस ऑपरेटर्स (एफबीओ) को नोटिस जारी किए गए हैं। नोटिस पाने वाले प्रमुख ब्रांडों में हेल्दी मास्टर, न्यूहब्स टू विटामिन, प्लांट बी, द हेल्थ फेक्ट्री, टूवी, हेल्दी चॉइस, इमामी का हेल्दी एंड टेस्टी, हेल्थ एड, ऑर्गेनिक विजडम और टू ब्रदर्स ऑर्गेनिक फार्मस शामिल हैं। एफएसएसआई ने विशेष रूप से हेल्दी, ऑर्गेनिक, टू विटामिन और वीगन जैसे शब्दों के भ्रामक उपयोग पर चिंता जताई है। नियामक ने पाया कि इन कंपनियों के ट्रेड नाम या उत्पाद दावे उपभोक्ताओं को उनकी प्रकृति या स्वास्थ्य लाभों के बारे में गुमराह कर सकते हैं। हेल्दी मिक्स जैसे शब्द, टू विटामिन जैसे अपरिभाषित दावे, या बिना उचित प्रमाणिकरण के प्लांट बेस्ड वीगन व ऑर्गेनिक का इस्तेमाल नियमों का उल्लंघन है। एफएसएसआई ने सभी एफबीओ को ग्राहकों को गुमराह होने से बचाने के लिए लेबलिंग और डिस्प्ले नियमों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है।

ईरान युद्ध समाप्त- तेल हुआ सस्ता, पर आपूर्ति सामान्य होने में लगेंगे महीने

न्यूयॉर्क ।

रविवार को ईरान युद्ध खत्म करने और सामरिक होरमुज जलडमरूमध्य को खोलने का समझौता होने से वैश्विक राहत मिली है। हालांकि, ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि तेल और पेट्रोल की ऊंची कीमतें तथा ऊर्जा आपूर्ति की समस्याएं रातों-रात हल नहीं होंगी। दुनिया की मांग पूरी करने लायक कामकाज फिर से शुरू करने में ऊर्जा कंपनियों को महीनों का समय लग सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक कच्चे तेल की सिपिंग और रिफाइनिंग की धीमी प्रक्रिया के साथ-साथ जलडमरूमध्य से गुजरने की सुरक्षा को लेकर अनिश्चितता का मतलब है कि इसका असर तुरंत नहीं दिखेगा। युद्ध से पहले दुनिया की लगभग 20 फीसदी तेल और पेट्रोल आपूर्ति इसी मार्ग से होती थी, लेकिन युद्ध के कारण तीन महीने से ज्यादा समय से सैकड़ों तेल से लदे जहाज फारस की खाड़ी में फंसे हुए हैं। एसएंडपी ग्लोबल एनर्जी के एक एे अधिकारी ने बताया कि लोगों को सुरक्षित महसूस करने और इश्योरेंस की व्यवस्था होने में समय लगेगा। हालांकि, सोमवार को डील की घोषणा के बाद तेल की कीमतों में शुरुआती गिरावट आई, ब्रेट क्रूड 3.45 डॉलर गिरकर 83.89 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी बेंचमार्क 4.03 डॉलर गिरकर 80.85 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। फिर भी ये कीमतें युद्ध शुरू होने से पहले की 70 डॉलर प्रति बैरल से काफी ऊपर हैं। फंसे हुए जहाजों को निकालने, नए टैंकरों को लोड करने और धीमी गति से चलने वाले तेल टैंकरों को अपनी अंतिम मंजिल तक पहुंचने में महीनों लग सकते हैं। इसके अलावा, शट-इन यानी बंद पड़े तेल कुओं को फिर से शुरू करना भी एक धीमी प्रक्रिया है।

नए डीजल नियमों से एमएसएमई की मुश्किलें बढ़ीं, जनरेटर चलाना मुश्किल

- फिस्के ने पेट्रोलियम मंत्रालय से हस्तक्षेप की मांग की

नई दिल्ली ।

इंडियन फेडरेशन ऑफ इंडियन माइक्रो एंड स्मॉल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज (फिस्मे) ने सरकार के नए डीजल और पेट्रोल बिजली नियमों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि खुदरा आउटलेट्स से थोक बिजली पर प्रतिबंध से सूक्ष्म और लघु उद्योगों को अपने डीजल चालित जनरेटर सेट (डीजी सेट) चलाने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा, जिससे उनके कारोबार संचालन में बाधा आ सकती है। दरअसल, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 11 जून को एक आदेश जारी किया था। इस आदेश की धारा 3(1) में कहा गया है कि संस्थागत, प्रत्यक्ष, औद्योगिक और वाणिज्यिक ग्राहकों को खुदरा आउटलेट्स से पेट्रोलियम उत्पाद नहीं खरीदने चाहिए और अपनी आवश्यकताओं को केवल अपने उपभोक्ता पंपों से प्राप्त करना चाहिए। यह कदम बड़े उद्योगों के लिए तो सुविधाजनक हो सकता है, लेकिन ज्यादातर सूक्ष्म और लघु उद्योगों के लिए यह एक चुनौती बन गया है। फिस्मे के एक कार्यकारी समिति सदस्य ने बताया कि यह आदेश एमएसएमई को अपने डीजी सेट के लिए हाई स्पीड डीजल (एचएसडी) खरीदने का कोई व्यवहार्य तरीका नहीं छोड़ता है।

वेदांता ऑयल एंड गैस लिमिटेड शेयर बाजार में सूचीबद्ध, उत्पादन 5 लाख बैरल प्रतिदिन तक बढ़ाने का लक्ष्य

बाइपेर (एजेंसी)। भारत की अग्रणी निजी क्षेत्र की तेल एवं गैस कंपनी वेदांता ऑयल एंड गैस लिमिटेड ने सोमवार को बीएसई और एनएसई पर अपने इंडिकेटी शेयरों की सफल सूचीबद्धता के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। कंपनी की यह लिस्टिंग उसके विकास के नए चरण की शुरुआत के साथ-साथ भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। यह सूचीबद्धता वेदांता लिमिटेड के ऐतिहासिक डिमर्जर और दोनों प्रमुख शेयर बाजारों से आवश्यक स्वीकृतियां मिलने के बाद संभव हुई है। इसके साथ ही वेदांता ऑयल एंड गैस देश की अग्रणी सूचीबद्ध निजी क्षेत्र की अपस्ट्रीम तेल एवं गैस कंपनी बन गई है। मुंबई स्थित बीएसई कार्यालय में आयोजित उद्घाटन समारोह में वेदांता समूह के चेयरमैन एवं संस्थापक अनिल अग्रवाल ने सरेमोनियल बेल बजाकर ट्रेडिंग की शुरुआत की। इस अवसर पर प्रिया अग्रवाल हेब्बर, नवीन अग्रवाल, आकर्ष हेब्बर तथा वेदांता ऑयल एंड गैस के अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिम गास्ट भी उपस्थित रहे। इस मौके पर अनिल अग्रवाल ने कहा, 'हमारा लक्ष्य उत्पादन को बढ़ाकर 5 लाख बैरल प्रतिदिन तक ले जाना है। इसके लिए लागत-कुशल संचालन मॉडल



और अनुकूल नीतिगत वातावरण का सहारा लिया जाएगा। भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को मजबूत करने में हमें अग्रणी भूमिका निभानी है। आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित वैश्विक अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ खनिजों और तेल-गैस की मांग तेजी से बढ़ेगी, और हम इन्हीं क्षेत्रों में कार्यरत हैं। डिमर्जर के तहत एक रुपये अंकित मूल्य वाले कुल 391.03 करोड़ इंडिकेटी शेयर ट्रेडिंग के लिए सूचीबद्ध किए गए हैं। स्वीकृत व्यवस्था योजना के अनुसार, वेदांता लिमिटेड के प्रत्येक एक शेयर के बदले वेदांता ऑयल एंड गैस सहित अन्य तीन नई सूचीबद्ध कंपनियों का एक-एक शेयर आवंटित किया गया है। कंपनी का मानना है कि यह लिस्टिंग स्वतंत्र

रुपया हल्की बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 6 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.58 पर बंद हुआ।

रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 58 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.60 पर पहुंच गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध समाप्त करने के लिए समझौता होने की घोषणा करने के बाद वैश्विक



स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार घरेलू शेयर बाजारों में मजबूत शुरुआत और

अमेरिकी डॉलर की कमजोरी ने भी रुपये को समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.70 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में

बढ़कर 94.60 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो इसके पिछले बंद भाव से 58 पैसे की बढ़त दिखात है। रुपया शुरुवार को 95.18 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्री सेवाओं की शुरुआत



नोएडा ।

जेवर स्थित नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोमवार को यात्री सेवाओं का ऐतिहासिक अध्याय शुरू हो गया। लखनऊ से इंडिगो की पहली वाणिज्यिक उड़ान के सफलतापूर्वक उतरने के साथ ही इस महत्वाकांक्षी परियोजना ने औपचारिक रूप से परिचालन आरंभ कर दिया। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से सुबह 7-12 बजे रवाना हुई इंडिगो की पहली उड़ान सुबह 7-58 बजे जेवर हवाई अड्डे पर सफलतापूर्वक उतरी। इसके तुरंत बाद, वापसी की उड़ान लखनऊ के लिए रवाना हुई, जिसमें जेवर क्षेत्र के वे ग्रामीण भी शामिल थे, जिनकी जमीन हवाई अड्डे के विकास के लिए अधिग्रहित की गई थी। इस पहली प्रस्थान उड़ान में स्थानीय विधायक धीरेंद्र सिंह और यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यौड) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश सिंह सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। यह नया हवाई अड्डा पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और देश के अन्य हिस्सों के बीच हवाई संपर्क को मजबूत करेगा। अधिकारियों के अनुसार, यह नई हवाई सेवा व्यापार यात्रियों, छात्रों, पेशेवरों और आम नागरिकों के लिए अत्यंत लाभकारी होगी, साथ ही क्षेत्रीय आर्थिक विकास को भी गति प्रदान करेगी।

सोने का भाव 3301 रुपए उछला, चांदी 2.50 लाख पार

- घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में उछले दाम

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच किसी सभावित समझौते की अटकलों ने सोमवार को सोने-चांदी के वायदा बाजार में नई जान फूंक दी है। भू-राजनीतिक तनाव कम होने की उम्मीद से कीमती धातुओं की मांग बढ़ी और इसके परिणामस्वरूप घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय, दोनों बाजारों में इनके भाव में तेज उछाल दर्ज किया गया। निवेशक सुरक्षित निवेश के तौर पर बुलियन की ओर रुख कर रहे हैं, जिससे सोने और चांदी में मजबूत तेजी देखने को मिल रही है। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोमवार को सोने और चांदी दोनों में जोरदार तेजी दर्ज की गई। खबर लिखे जाने तक सोने का अगस्त वायदा अनुबंध 2,700 रुपए से अधिक की तेजी के साथ 1,53,241 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार कर रहा था। यह



1,53,829 रुपए के उच्च स्तर तक भी पहुंचा था, जबकि पिछले सत्र में 1,50,528 रुपए पर बंद हुआ था। इस वर्ष सोने ने 1,80,779 रुपए के उच्चतम स्तर को छुआ था। इसी तरह चांदी का जुलाई वायदा अनुबंध भी 6,200 रुपए से अधिक उछलकर 2,52,447 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर था, जो 2,53,345 रुपए के दिने के उच्चतम स्तर पर भी पहुंचा था। इसका पिछला बंद भाव 2,46,186 रुपए था। चांदी के वायदा भाव ने इस साल

4,20,048 रुपए प्रति किलो का रिकॉर्ड उच्च स्तर देखा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं की चमक बरकरार रही। न्यूयॉर्क के कॉमेक्स पर सोना 110 डॉलर से अधिक की तेजी के साथ 4,349.60 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रहा था, जबकि इसकी शुरुआत 4,289.40 डॉलर पर हुई थी। इसका पिछला बंद भाव 4,238.80 डॉलर प्रति औंस था। इस साल सोने ने 5,586.20 डॉलर का सर्वोच्च स्तर छुआ था।

चांदी भी कॉमेक्स पर लगभग 2.67 डॉलर की बढ़त के साथ 70.65 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। इसने 68.90 डॉलर पर शुरुआत की थी, जबकि इसका पिछला बंद भाव 67.97 डॉलर था। इस साल चांदी ने 121.79 डॉलर का उच्चतम स्तर छुआ था। यह तेजी दर्शाती है कि वैश्विक स्तर पर निवेशक भू-राजनीतिक शांति की संभावनाओं को लेकर उत्साहित हैं और कीमती धातुओं में निवेश बढ़ा रहे हैं।

टाटा ट्रस्ट परोपकारी खर्च बढ़ाकर 2,000 करोड़ करेगा

- आंतरिक मतभेद की खबरों के बीच अधिकारी ने ट्रस्ट के मूल उद्देश्य को किया रेखांकित

नई दिल्ली ।

टाटा ट्रस्ट चालू वित्त वर्ष में अपने परोपकारी कार्यों पर खर्च बढ़ाकर लगभग 2,000 करोड़ रुपये करेगा। ट्रस्ट के एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए उन खबरों पर प्रतिक्रिया दी, जिनमें परोपकारी संस्थानों के बीच कथित आंतरिक मतभेदों की बात कही गई थी। अधिकारी ने सोशल मीडिया मंच लिंकडइन पर एक

पोस्ट में स्पष्ट किया कि टाटा ट्रस्ट का मूल उद्देश्य परोपकार है और इसी काम के लिए इसका अस्तित्व है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 में ट्रस्ट का परोपकारी व्यय लगभग 1,600 करोड़ रुपये रहा था, जिसके चालू वित्त वर्ष में लगभग 2,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। इस व्यय को इसका मुख्य कारण माना जा रहा है। अधिकारी ने सोशल मीडिया मंच लिंकडइन पर एक

किफायती बनाने में मदद मिली है। अधिकारी ने ऐसी खबरें प्रकाशित होने पर अफसोस जताया, जिनमें बिना पुरावा सत्यापन और विश्लेषण के कुछ बातों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि टाटा ट्रस्ट की स्थापना से ही टाटा संस की बहुलांश हिस्सेदारी से प्राप्त लाभों का उपयोग परोपकारी संस्थानों के न्यायिकों के बीच



2014 में लागू कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) प्रावधान से 122 वर्ष पहले से जारी है। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब टाटा ट्रस्ट के अंतर्गत आने वाले विभिन्न परोपकारी संस्थानों के न्यायिकों के बीच मतभेद की खबरें चल रही थीं।

हाइड्रोकार्बन बेसिनों में स्थित है। वेदांता ऑयल एंड गैस ने 56.38 प्रतिशत प्रमोटर हिस्सेदारी और 43.46 प्रतिशत सार्वजनिक हिस्सेदारी के साथ कारोबार की अपनी एक अवसर मिलेगा। एक स्वतंत्र कंपनी के रूप में वेदांता ऑयल एंड गैस घरेलू हाइड्रोकार्बन उत्पादन बढ़ाने, अन्वेषण गतिविधियों को गति देने और दीर्घकालिक निवेश आकर्षित करने पर अधिक प्रभावी ढंग से कार्य कर सकेगी। 'केयन' ब्रांड के तहत संचालित कंपनी का पत्र देशभर में फैले लगभग 47,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में 44 ऑनशोर और ऑफशोर ब्लॉक्स का मजबूत पोर्टफोलियो है। इसकी परिसंपत्तियां राजस्थान, पूर्वी एवं पश्चिमी तट तथा उत्तर-पूर्व भारत के प्रमुख

देश में थोक मुद्रास्फीति ने पकड़ी रफ्तार, मई में 9.68 फीसदी पहुंची

- ईंधन, विनिर्मित उत्पाद और खाद्य वस्तुएं बनीं मुख्य वजह

नई दिल्ली ।

देश में थोक मुद्रास्फीति (थोक मूल्य सूचकांक-डब्ल्यूपीआई) मई में अप्रत्याशित रूप से बढ़कर 9.68 प्रतिशत शुरू हुई, जो अप्रैल में 8.26 प्रतिशत थी। ईंधन और बिजली, विनिर्मित उत्पादों तथा खाद्य वस्तुओं की कीमतों में तेज वृद्धि को इसका मुख्य कारण माना जा रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा नए आधार वर्ष 2022-23 के साथ जारी इन आंकड़ों ने अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार देश में थोक मुद्रास्फीति मई में 9.68 प्रतिशत दर्ज की गई, जो अप्रैल के 8.26 प्रतिशत से काफी अधिक है। थोक महंगाई में यह उछाल मुख्य रूप से ईंधन और बिजली की कीमतों में रिकॉर्ड वृद्धि के कारण हुआ, जो मई में 30.33 प्रतिशत पर पहुंच गई, जबकि अप्रैल में यह 24.89 प्रतिशत थी।

कच्चे पेट्रोलियम की महंगाई दर भी 61.51 प्रतिशत रही, जो पश्चिम एशिया संकट और होमजुज जलडमरूमध्य के संभावित अवरोध के कारण बढ़ी है, जिससे भारत का कच्चा तेल आयात प्रभावित हुआ है। खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति मई में 3.60 प्रतिशत रही, जो अप्रैल में 2.43 प्रतिशत थी। वहीं विनिर्मित उत्पादों की महंगाई दर भी बढ़कर 7.48 प्रतिशत हो गई। यह स्थिति न केवल थोक स्तर पर बल्कि खुदरा कीमतों पर भी दबाव डाल रही है। खुदरा या उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई भी मई में 3.93 प्रतिशत के 16 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जबकि अप्रैल में यह 3.48 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) मौद्रिक नीति तय करते समय खुदरा मुद्रास्फीति को मुख्य रूप से ध्यान में रखता है।

सरकार ने महंगाई दर को 4 प्रतिशत के दायरे में रखने का लक्ष्य दिया है। इस महीने की शुरुआत में आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अपने मुद्रास्फीति अनुमान को 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया है, जिसका मुख्य कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में वृद्धि और कच्चे माल की बढ़ती लागत है। इस वैश्विक वृद्धि के कारण मई के दूसरे पखवाड़े में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 7.50 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई, जिससे आम उपभोक्ताओं पर सीधा बोझ पड़ा है।

साल्टस्टेज अपने पोर्टफोलियो में 22 संपत्तियां जोड़ेगी



मुंबई ।

आतिथ्य क्षेत्र की कंपनी साल्टस्टेज ने चालू वित्त वर्ष में 22 से अधिक संपत्तियों को जोड़ने की योजना बनाई है, जिसके साथ उसका कुल पोर्टफोलियो 55 पर पहुंच जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी देश के पश्चिमी और दक्षिणी क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगी। कंपनी के पास वर्तमान में मिड-प्रीमियम से प्रीमियम श्रेणी में लगभग 1,214 कमरों वाले 33 होटल हैं। उन्होंने कहा कि हम इस वित्त वर्ष में 22 और होटल जोड़ने की योजना बना रहे हैं, जिससे इस वर्ष होटल की कुल संख्या 55 हो जाएगी। हमारी मौजूदगी मुख्य रूप से उत्तर भारत में है, इसलिए विस्तार के अगले चरण में हम दक्षिण और पश्चिम भारत पर अधिक ध्यान केंद्रित करेंगे। गुरुग्राम स्थित यह कंपनी अपने तीन ब्रांड ऑटोग्राफ, सेलेक्ट और प्रीमियर के तहत भारत के सात प्रमुख शहरों में मौजूद है।

यूरिया उत्पादन में आत्मनिर्भरता को मिलेगी रफ्तार, दो नए संयंत्र जल्द शुरू

- 2014 से अब तक कुल छह नए प्लांट हुए शुरू, उत्पादन पहुंचा रिकॉर्ड स्तर पर



नई दिल्ली ।

देश में यूरिया उत्पादन को बड़ा प्रोत्साहन मिलने वाला है। सरकार ने जानकारी दी कि यूरिया के दो नए संयंत्र जल्द ही उत्पादन शुरू करने वाले हैं, जिनकी कुल सालाना क्षमता 25.4 लाख टन होगी। इन संयंत्रों के शुरू होने से भारत की यूरिया आयात पर निर्भरता काफी कम हो जाएगी। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उर्वरक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और किसानों को वैश्विक समस्याओं से बचाने के उद्देश्य से मोदी सरकार ने पिछले 12 वर्षों में महत्वपूर्ण कार्य किया है। मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष, ईंधन की कमी और निर्यात मार्गों में व्यवधान जैसी चुनौतियों के बावजूद, सरकार ने उर्वरक की

निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय और युद्धस्तरीय प्रतिक्रिया दी है। मंत्रालय ने बताया कि वर्ष 2014 के बाद से छह नए यूरिया संयंत्र स्थापित किए गए हैं, जिनसे देश की वार्षिक उत्पादन क्षमता में 76.2 लाख टन का इजाफा हुआ है। उच्च क्षमता वाले दो नए यूरिया संयंत्र शीघ्र ही उत्पादन शुरू करने वाले हैं, जिनकी संयुक्त वार्षिक उत्पादन क्षमता 25.4 लाख टन है। भारत का घरेलू यूरिया उत्पादन वित्त वर्ष 2014-15 के 225 लाख टन से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में उच्चतम स्तर 314.07 लाख टन पर पहुंच गया था, जबकि 2024-25 में यह 306.67 लाख टन रहा। इन नए संयंत्रों के साथ, देश आत्मनिर्भरता की दिशा में और तेजी से आगे बढ़ेगा।



‘खतरों के खिलाड़ी’ के प्रोमो के बाद हुई थी ट्रोलिंग

कॉकटेल 2 के लिए शाहिद कपूर ने ली रश्मिका मंदाना से तीन गुना ज्यादा फीस?

शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की अदाकारी वाली फिल्म ‘कॉकटेल 2’ 19 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। अब सबकी नजरें फिल्म के बजट और इसकी स्टार कास्ट की फीस पर टिकी हैं। खबरों के मुताबिक, शाहिद कपूर इस फिल्म के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर हैं। बताया जा रहा है कि उन्होंने रश्मिका मंदाना से लगभग तीन गुना और कृति सेनन की फीस से लगभग दो गुना ज्यादा पैसे लिए हैं।

‘कॉकटेल 2’ के मुख्य कलाकारों की फीस पर कुल 35 करोड़ रुपये खर्च किए गए। शाहिद कपूर ने इसके लिए 21 करोड़ रुपये लिए। जबकि कृति सेनन को 8 करोड़ रुपये और रश्मिका मंदाना को 6 करोड़ रुपये मिले। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ‘कॉकटेल 2’ को 150 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया है। इसमें से 35 करोड़ रुपये मुख्य कलाकारों की फीस के लिए रखे गए थे, जबकि लगभग 20 करोड़ रुपये फिल्म के प्रिंट और एडवर्टाइजिंग कैंपेन पर खर्च किए गए। बाकी बचे 95 करोड़ रुपये फिल्म के प्रोडक्शन और सपोर्टिंग कास्ट की फीस में खर्च हुए। ‘कॉकटेल 2’ में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन होमी अदजानिया कर रहे हैं। उन्होंने ही 2012 की रोमांटिक कॉमेडी ‘कॉकटेल’ का भी निर्देशन किया था। इसमें दीपिका पादुकोण, सैफ अली खान और डायना पेंटी थे। ‘कॉकटेल 2’ को मेट्रो फिल्मस के बनेर तले दिनेश विजान प्रोड्यूस कर रहे हैं। उम्मीद है कि यह सीक्वल नए किरदारों के साथ एक नई कहानी पेश करेगा।



नो एंट्री 2 को लोग बहुत पसंद करेंगे

हाल ही में फिल्म को लेकर देरी, शेड्यूल की दिक्कतों और कास्ट में बदलाव की खबरें सामने आई थीं। इस लंबे समय से इंतजार की जा रही सीक्वल को लेकर काफी समय से अनिश्चितता बनी हुई है, लेकिन फिल्म अब भी चर्चा में बनी हुई है। उम्मीद की जा रही है कि इस बार फिल्म में वरुण धवन, अर्जुन कपूर और दिलजीत दोसांझ जैसे नए कलाकार नजर आएंगे। फिल्ममेकर ने आगे बताया कि उन्होंने ‘नो एंट्री 2’ को बहुत प्यार से लिखा है और यह उनकी सबसे अच्छी लिखी गई फिल्मों में से एक है। उन्होंने माना कि इस प्रोजेक्ट में समय लगा है, लेकिन फिल्म जरूर आगे बढ़ रही है। उन्होंने

यह भी कहा कि फिल्म से जुड़े सभी लोग इसे लेकर काफी एक्साइटेटेड हैं और उन्हें पूरा भरोसा है कि दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी। ‘जो भी लोग इस फिल्म से जुड़े हुए हैं, सब बहुत एक्साइटेटेड हैं। और लोग इस फिल्म को बहुत पसंद करेंगे,’ उन्होंने कहा।



आकांक्षा रंजन बनेंगी दुल्हनिया, लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड से करेंगी शादी?

आलिया भट्ट की सहेली और अभिनेत्री आकांक्षा रंजन कपूर का नाम इस समय शादी की खबरों को लेकर चर्चा में बना हुआ है। आकांक्षा अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड शरण शर्मा से शादी करने वाली हैं।

कब और कहा होगी शादी आकांक्षा और शरण अगले महीने 11 जुलाई को मुंबई में शादी करेंगे। इसके अगले दिन यानी 12 जुलाई को ‘जेडब्ल्यू मैरियट’ होटल में एक भव्य रिसेप्शन रखा जाएगा। यह शादी बेहद प्राइवेट होगी, जिसमें सिर्फ परिवार के लोग और करीबी दोस्त शामिल होंगे। खबरों के मुताबिक, शादी के लिए कोई प्रिंटेड इन्विटेशन कार्ड नहीं भेजे गए हैं।

चार साल का रिश्ता दोनों पिछले करीब 4 साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। दोनों ने 2022 में

अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था, लेकिन हमेशा अपनी पर्सनल लाइफ को लाइमलाइट से दूर ही रखा। हाल ही में एक इंटरव्यू में आकांक्षा ने खुद इस रिश्ते को कबूल करते हुए कहा था, ‘हां, मैं शरण के साथ रिलेशनशिप में हूँ। मैंने कभी इस बात को छुपाया नहीं, लेकिन मुझे अपनी पर्सनल लाइफ पर ज्यादा बात करना पसंद नहीं है।’

कौन हैं आकांक्षा आकांक्षा रंजन कपूर अभिनेत्री आलिया भट्ट की बचपन की सहेली हैं। उन्होंने ‘गिल्टी’ और ‘मोनिता ओ माई डार्लिंग’ जैसी फिल्मों और वेब सीरीज में काम किया है। जल्द ही वह ‘ग्राम चिकित्सालय सीजन 2’ में नजर आएंगी।

कौन हैं शरण शर्मा शरण शर्मा बॉलीवुड के जाने-माने निर्देशक हैं। शरण शर्मा ने जान्हवी कपूर की फिल्म ‘गुंजन सक्सेना: द कारमिल गर्ल’ और ‘मिस्टर एंड मिसेज माही’ का निर्देशन किया है।



इंडस्ट्री छोड़ने की खबरों पर हर्ष वर्धन कपूर ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड अभिनेता अनिल कपूर के बेटे हर्ष वर्धन कपूर को ज्यादातर लाइमलाइट से दूर ही देखा जाता है। बतौर अभिनेता और निर्माता हर्ष वर्धन आखिरी बार ‘थार’ में नजर आए थे। बौते काफी वयस से उनके आगामी प्रोजेक्ट्स की कोई जानकारी सामने नहीं आई। ऐसे में यह अफवाहें तेज हो गईं कि हर्ष वर्धन ने इंडस्ट्री छोड़ दी है। अब इस मामले पर हर्ष वर्धन ने अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है।

फैंस को दिया हर्ष ने जवाब

हर्ष वर्धन ने इस बारे में एक सोशल मीडिया पोस्ट करते हुए लिखा, ‘मैंने अभिनय से बिल्कुल मुंह नहीं मोड़ा है। ‘थार’ की रिलीज के दिन से ही मैं एक नए प्रोजेक्ट पर काम कर रहा हूँ। ‘थार’ को बनने में 5 साल लगे। इससे पहले विक्रम को ‘भावेश जोशी सुपरहीरो’ बनाने में कई साल लगे थे।’

जल्द रिलीज होगा नया प्रोजेक्ट अपने आगामी प्रोजेक्ट की जानकारी फैंस को देते हुए हर्ष

वर्धन ने लिखा, ‘इस फिल्म को पूरा करने में मुझे 2-3 साल लग गए। अब 30 जून को इसकी शूटिंग खत्म हो रही है। मैं इसका निर्माण भी कर रहा हूँ। मुझे लगता है कि लोग हर अभिनेता की साल में कई फिल्मों देखने के आदी हो चुके हैं। अगर आप ‘भावेश’, ‘थार’ और ‘एके वरसे एके’ जैसी फिल्मों देखना चाहते हैं, तो यह साल में एक या दो बार नहीं होगा, यही सच्चाई है। लेकिन धन्यवाद और यह नई फिल्म अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्म है, शत प्रतिशत, यह बेहद अनोखी है।’

हर्ष वर्धन कपूर का वर्कफ्रंट

अभिनेता हर्ष वर्धन कपूर ने अपने करियर की शुरुआत रणबीर कपूर और अनुष्का शर्मा की फिल्म ‘बॉम्बे वेलेट’ में सहायक निर्देशक के तौर पर की थी। इसके बाद 2016 में फिल्म ‘मिर्ज्या’ से उन्होंने बतौर अभिनेता डेब्यू किया। दो साल बाद उन्होंने विक्रमादित्य मोटवानी की फिल्म ‘भावेश जोशी सुपरहीरो’ में मुख्य भूमिका निभाई थी और इसके बाद वो ‘एके वरसे एके’ और ओटीटी पर फिल्म ‘थार’ में नजर आए थे।

हंसते-हंसाते समाज का सच दिखाना ज्यादा असरदार



बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री माधुरी दीक्षित आज भी अपनी शानदार अदाकारी और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जानी जाती हैं। पिछले कई दशकों से वह दर्शकों का मनोरंजन करती आ रही हैं और हर दौर में खुद को नए किरदारों के साथ साबित कर रही हैं। इन दिनों उनकी नई फिल्म ‘मां बहन’ चर्चा में है। फिल्म को लेकर बात करते हुए माधुरी दीक्षित ने मनोरंजन और समाज के रिश्ते पर अपने विचार साझा किए। उनका मानना है कि अगर किसी जरूरी बात को लोगों तक पहुंचाना हो, तो मनोरंजन से बेहतर तरीका कोई नहीं हो सकता। माधुरी दीक्षित ने बातचीत में कहा, ‘जब लोग किसी फिल्म या शो को देखने बैठते हैं, तो उनका मकसद कुछ समय के लिए तनाव से दूर होकर अच्छे समय बिताना होता है। ऐसे में अगर

करीबी दोस्त शामिल होंगे। खबरों के मुताबिक, शादी के लिए कोई प्रिंटेड इन्विटेशन कार्ड नहीं भेजे गए हैं।

करती है तो उसे बुरा-भला कहा जाता है और नकारात्मक नजरिए से देखा जाता है।’ अभिनेत्री ने कहा, ‘मेरी फिल्म ‘मां बहन’ इन्हीं पुरानी परंपराओं और नियमों को चुनौती देती है। फिल्म में महिलाओं को मजबूत और पारंपरिक नियमों को तोड़ने वाला किरदार दिया गया है। हर महिला सम्मान और गरिमा के साथ जीने की हकदार है।’ ‘मां बहन’ का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। फिल्म में माधुरी के साथ तुषि डिमरी, धारणा दुर्गा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दूल भारद्वाज भी महत्वपूर्ण

भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म नेटपिलक्स पर स्ट्रीम हो रही है।



संक्षिप्त समाचार

चीन में जमीन पर गिरकर हेलिकॉप्टर चरखी जैसा घूमता रहा :2 टुकड़ों में टूटा

वुजिन, एजेंसी। चीन में हेलिकॉप्टर क्रैश का एक वीडियो सामने आया है। इसमें एक हेलिकॉप्टर खेत में क्रैश होकर दो हिस्से में टूट गया, इसके बावजूद उसके रोटर ब्लेड तेज रफ्तार में काफी देर तक घूमते रहे। कॉम्पैक्ट के अंदर फंसे पायलट और उसका साथी झंझर-उधर झटके खाते रहे। एक पायलट तो हेलिकॉप्टर के दरवाजे से आधा बाहर लटक हुआ था। वह कई बार जमीन और हेलिकॉप्टर के किनारे से टकराया। पास की सड़क पर मौजूद लोग यह सब देखकर इकट्ठा हो गए, लेकिन हेलिकॉप्टर के रोटर ब्लेड लगातार घूम रहे थे, इसलिए कोई भी उनकी मदद के लिए आगे नहीं बढ़ सका। दोनों पायलटों की जान सीट बेल्ट की वजह से बच गई। दस की रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना चीन के वुजिन शहर में गुरुवार दोपहर 2 बजे हुई। एक डिस्चार्ज हुआ दूसरा अब भी अस्पताल में भर्ती हादसे की सूचना मिलते ही आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं। दोनों घायलों को अस्पताल ले जाया गया। इनमें से एक व्यक्ति को इलाज के बाद छुड़ी दे दी गई है, जबकि दूसरा अभी डॉक्टरों की निगरानी में है। राहत की बात यह है कि किसी की भी हालत जानलेवा नहीं बताई गई है। हेलिकॉप्टर हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। यह घटना चीन में हाल के कुछ साल में सामने आई कई विमान दुर्घटनाओं की कड़ी में एक और मामला है। पिछले साल एक मकाहूर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर तांग फेड्जी की लाइवरस्ट्रीम के दौरान मौत हो गई थी। उनका अल्ट्रालाइट विमान अचानक आसमान से नीचे गिर गया था। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। रिपोर्टों के मुताबिक उस समय उन्होंने न तो हेलमेट पहना था और न ही पैराशूट। तांग फेड्जी इससे पहले भी तकनीकी खराबी के कारण दो विमान हादसों से बच चुके थे, जिनमें एक दुर्घटना ईंधन मापने वाले उपकरण में खराबी की वजह से हुई थी।

ब्रिटेन में सोशल मीडिया पर बैन

जल्द :16 साल से कम उम्र के बच्चों की पहुंच सीमित करने पर विचार ?

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की कीर स्टार्मर सरकार 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की संभावना पर विचार कर रही है। माना जा रहा है कि 18 जून को मेकफीलड उपचुनाव से पहले इस संबंध में घोषणा की जा सकती है। यह कदम ऐसे समय पर चर्चा में है, जब सतारूद लेबर पार्टी के भीतर स्टार्मर के नेतृत्व को लेकर असंतोष की खबरें हैं और ग्रेटर मेनरस्टर के मेयर एंडी बर्नहेम को पार्टी का ?संभावित भविष्य का नेता माना जा रहा है। इसके तहत बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और वेबसाइटों पर 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की ? पहुंच सीमित की जा सकती है। हालांकि वॉटरसप जैसी मैसेजिंग सेवाओं और यूट्यूब ?फिकड जैसे शैक्षणिक प्लेटफॉर्म को छूट मिल ?सकती है। सोशल मीडिया प्रतिबंध को लेकर ? वैश्विक स्तर पर भी बहस तेज है। ऑस्ट्रेलिया ?पहले ही इस तरह का कानून लागू कर चुका है, जबकि कनाडा और यूरोपीय संघ भी इसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मार्च में यूगांड के सर्वे में 76% ब्रिटिश नागरिकों ने ऐसे प्रतिबंध का समर्थन किया था, जो प्रमुख यूरोपीय देशों में सबसे अधिक ? समर्थन माना गया। लेबर नेता एंडी बर्नहेम का ?कहना है कि सोशल मीडिया, आर्टिफिशियल ?इंटेलिजेंस और बड़ी टेक कंपनियों को नियंत्रित ? करने का समय आ गया है।

जी-7 में भारत-अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता पर चर्चा होगी, तत्काल समझौते की उम्मीद नहीं : अमेरिकी अधिकारी

वाशिंगटन, एजेंसी। फ्रांस में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा होगी, हालांकि सम्मेलन में किसी अंतिम समझौते की घोषणा की संभावना नहीं है। अमेरिकी प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को बताया कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर जी-7 शिखर सम्मेलन के अगले हफ्ते भारत की यात्रा करेंगे। अधिकारी के अनुसार, दोनों नेताओं की बैठक में भारत-अमेरिका व्यापार संबंध प्रमुख मुद्दों में शामिल रहेगा। हालांकि बातचीत आगे बढ़ने को उम्मीद है, लेकिन किसी व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अभी और तकनीकी स्तर की वार्ताओं की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत के साथ एक बहुत अच्छा समझौता करना चाहता है और ऐसी संभावना मौजूद है, लेकिन जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान इसके पूरा होने की उम्मीद नहीं है। अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी भारत की वैश्विक भूमिका और भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण रखते हैं। उन्होंने संकेत दिया कि संभावित व्यापार समझौता दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत कर सकता है।

अयातुल्लाह अली खामेनेई को 9 जुलाई को किया जाएगा सुपुर्द-ए-खाक

तेहरान, एजेंसी। ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की याद में आयोजित कार्यक्रम को शुरूआत चार जुलाई से होगी। ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, यह जानकारी उनकी स्मृति में गठित मुख्यालय की ओर से जारी एक बयान में दी गई है। बयान के मुताबिक, 4 और 5 जुलाई को तेहरान के इमाम खुमेनी मोसला प्रार्थना हॉल में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद 6 और 7 जुलाई को राजधानी तेहरान और मध्य ईरान के शहर कोम में अंतिम यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद 9 जुलाई को उत्तर-पूर्वी शहर मशहद में अंतिम संस्कार का आखिरी कार्यक्रम होगा। उसी दिन दिवंगत नेता को शिया मुसलमानों के आठवें इमाम, इमाम रजा के पवित्र दरगाह परिसर में दफनाना जाएगा।

सिन्धुआ के अनुसार, लंबे समय तक ईरान के सर्वोच्च नेता रहे खामेनेई की 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के

संयुक्त हवाई हमले में मौत हो गई थी। मार्च की शुरुआत में उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को ईरान का नया सर्वोच्च नेता चुना गया। मार्च में खामेनेई की मौत को अमेरिका और इजरायल की ओर से किए गए एक ऐतिहासिक हमले का परिणाम बताया गया था। इस घटना को ईरान में 46 साल पुराने शिया धर्मतांत्रिक शासन के लिए एक बड़ा मोड़ माना गया, जबकि तेहरान की जवाबी कार्रवाई के बाद मध्य पूर्व के कई हिस्सों में तनाव और संघर्ष बढ़ गया।

तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उस समय खामेनेई की मौत की घोषणा की थी। खामेनेई 86 वर्ष के थे और पिछले 36 वर्षों से ईरान पर मजबूत पकड़ के साथ शासन कर रहे थे। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रथ सोशल' पर लिखा था, 'वह हमारी खुफिया जानकारी और बेहद उन्नत ट्रैकिंग सिस्टम से बच नहीं पाए। इजरायल के साथ मिलकर काम करते हुए

अमेरिका के साथ संभावित समझौते का ईरान में भारी विरोध, तेहरान और मशहद की सड़कों पर उतरे कट्टरपंथी

तेहरान/मशहद, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से चले आ रहे सैन्य तनाव और युद्ध जैसी स्थिति को समाप्त करने के लिए रविवार को एक ऐतिहासिक समझौता होने की उम्मीद जताई जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस आगामी समझौते को लेकर सकारात्मक बयान जारी किया है। हालांकि, ईरान सरकार की ओर से इस समझौते पर हस्ताक्षर करने के सटीक समय या तारीख को लेकर अभी तक स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं की गई है। इस बीच, अमेरिका के साथ हाथ मिलाए की इस कूटनीतिक कोशिश का ईरान के भीतर ही तीव्र विरोध शुरू हो गया है। ईरान के प्रमुख शहरों में इस संभावित समझौते के खिलाफ उग्र प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं।

तेहरान और मशहद में फूटा प्रदर्शनकारियों का गुस्सा : बीबीसी फ्रान्स सेवा की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान में इस समझौते के विरोधियों ने सड़कों पर उतरकर अपनी ही सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। राजधानी तेहरान के प्रमुख इम सिना स्क्वायर में एक विशाल रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में शामिल प्रदर्शनकारियों ने ईरान के वर्तमान विदेश मंत्री अब्बास अरागची और संसद (मजलिस) के स्पीकर मोहम्मद बगर गालिबाफ के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उल्लेखनीय है कि ये दोनों ही नेता अमेरिका के साथ बैक-चैल और प्रत्यक्ष बातचीत में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। तेहरान के अलावा, शनिवार शाम



को ईरान के दूसरे सबसे बड़े शहर मशहद में भी भारी तनाव देखा गया। यहाँ विदेश मंत्रालय की क्षेत्रीय इमारत के सामने दर्जनों प्रदर्शनकारी जमा हुए और उन्होंने विदेश मंत्री अब्बास अरागची के अमेरिका नीति से जुड़े बयानों की तीखी आलोचना की। फ्रांस न्यूज एजेंसी द्वारा जारी एक वीडियो में प्रदर्शनकारियों को अरागची के खिलाफ आक्रामक नारे लगाते हुए देखा जा सकता है।

क्यों हो रहा है इस समझौते का विरोध : प्रदर्शन की कमान संभाल रहे लोग ईरान के धुर-कट्टरपंथी और चरमपंथी संगठन 'परसिस्टेंस फ्रंट' (जम्हूह ए पावरफुल) के करीबी बताए जा रहे हैं। समझौते का विरोध करने वाले गुटों के पास मुख्य रूप से निम्नलिखित

आपत्तियाँ हैं: रणनीतिक प्रभाव कम होने का डर: विरोधियों का दृढ़ता से मानना है कि अमेरिका के साथ किया जा रहा यह समझौता किसी भी स्तर में ईरान के राष्ट्रीय हितों में नहीं है। इससे खाड़ी क्षेत्र, विशेषकर दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग 'होर्मुज स्ट्रेट' में ईरान की दबदबा और सैन्य प्रभाव कमजोर हो जाएगा। अमेरिका पर अविश्वास: कट्टरपंथियों का तर्क है कि अमेरिका पर भरोसा करके ईरान अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता के साथ समझौता कर रहा है। विदेश मंत्री का बयान: नाकाबंदी हटो, पर संप्रभुता से समझौता नहीं इस बीच, आंतरिक विरोध और आशंकाओं को दूर करने के लिए विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने एक टेलिविजन

इंटरव्यू में इस समझौते के कुछ प्रमुख बिंदुओं को साझा किया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि: 'इस संभावित समझौते के तहत ईरानी बंदरगाहों पर लगी अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी को पूरी तरह से हटा दिया जाएगा, जिससे ईरान की अर्थव्यवस्था को बड़ी राहत मिलेगी।' इसके साथ ही उन्होंने देश को आश्वस्त करते हुए कहा कि 'होर्मुज स्ट्रेट' पर ईरान का नियंत्रण और उसकी रणनीतिक स्थिति देश की प्रमुख डेटेरेंट (सैन्य निरोधक क्षमता) का हिस्सा बनी रहेगी और इससे कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इसके बावजूद, देश के भीतर कूटनीति के रास्ते पर बढ़े कदम को लेकर जनता और सत्ता के एक धड़े में वैचारिक जंग छिड़ गई है।

कोलंबो से सिडनी जा रहे विमान पर गिरी बिजली, बाल-बाल बची 233 यात्रियों की जान

कोलंबो, एजेंसी। हवाई सफर के दौरान मौसम की अनिश्चितता कभी-कभी बड़े हादसों का सबब बन सकती है। ऐसी ही एक रोंटे खड़े कर देने वाली घटना श्रीलंका से ऑस्ट्रेलिया जा रही एक अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट के साथ घटी। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो से सिडनी के लिए उड़ान भरने वाली फ्लाइट संख्याशुक्रवार को उस समय बड़े हादसे का शिकार होने से बच गई, जब बीच आसमान में उस पर भीषण आसमानी बिजली गिर पड़ी। इस विमान में कुल 233 लोग सवार थे, जिनकी जान कुछ पलों के लिए हलक में अटक गई थी।

टेकऑफ के कुछ ही देर बाद हुआ हादसा : प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह विमान शुक्रवार सुबह करीब 12:05 बजे कोलंबो के बंदरगाहके इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सिडनी के लिए रवाना हुआ था।



उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद विमान खराब मौसम की चपेट में आ गया। जब विमान काफी ऊंचाई पर था, तभी अचानक एक तेज गरजन के साथ आसमानी बिजली सीधे विमान से जा टकराई। रिपोर्टों के मुताबिक, बिजली गिरने की आवाज इतनी तेज थी कि यात्रियों को किसी बड़े धमाके जैसा अनुभव हुआ।

इंजन से निकलें चिंगारियां, यात्रियों में मचा हड़कंप : विमान पर बिजली गिरने का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो

रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि बिजली गिरने के तुरंत बाद विमान के एक इंजन से चिंगारियां निकलती हुई दिखाई दीं। अचानक हुए इस धमाके और चिंगारियों को देखकर विमान के अंदर चीख-पुकार मच गई और अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। कोलंबो में कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग विमान के पायलटों ने सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आगे का सफर जारी रखने के बजाय वापस लौटने का फैसला किया। पायलटों ने यात्रियों को सूचित किया कि बिजली

गिरने के कारण इंजन को मामूली क्षति पहुंची है, जिसके कारण एहतियात के तौर पर विमान को वापस कोलंबो ले जाया जा रहा है। कुछ ही समय बाद विमान को बंदरगाहके इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षित तरीके से उतार लिया गया। विमान में सवार सभी 207 यात्री और 16 कर्मचारी भी तरह तरह सुरक्षित हैं और किसी के हाताहत होने की खबर नहीं है। विमान के सुरक्षित लैंडिंग के बाद तकनीकी विशेषज्ञों और इंजीनियरों की एक टीम ने विमान की सघन जांच शुरू कर दी है। एयरलाइन सूत्रों ने पुष्टि की कि यात्रियों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता था, इसलिए बीच रास्ते से लौटने का फैसला बिजलीकूल सही था। एयरलाइन ने फसे हुए यात्रियों के लिए वैकल्पिक यात्रा को व्यवस्था की ताकि वे अपने गंतव्य तक पहुंच सकें।

अमेरिका के फेसस 'केनेडी आर्ट सेंटर' से ट्रम्प का नाम हटेगा, कोर्ट बोला- नाम बदलने का हक सिर्फ संसद को

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के सबसे बड़े कल्चरल और आर्ट सेंटर में शामिल 'जॉन एफ. केनेडी सेंटर फॉर द परफॉर्मिंग आर्ट्स' से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का नाम हटाया जा रहा है। अमेरिकी कोर्ट ने कहा है कि सेंटर का नाम बदलना कानून के खिलाफ था। केनेडी सेंटर अमेरिका का नेशनल आर्ट सेंटर है। यहां हर साल बड़े संगीत कार्यक्रम, नाटक, डंस शो, ओपेरा और दूसरे सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। दुनिया के कई मशहूर कलाकार यहां प्रस्तुति देते हैं। इस सेंटर का नाम अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ. केनेडी के नाम पर रखा गया था। 1963 में उनकी हत्या के बाद अमेरिकी कांग्रेस ने 1964 में इसे उनकी याद में बनाया। इसलिए यह सिर्फ एक इमारत नहीं, बल्कि केनेडी की याद में बना राष्ट्रीय स्मारक भी है।

फरवरी 2025 में डोनाल्ड ट्रम्प ने सेंटर के बोर्ड में अपने करीबी लोगों को शामिल किया। बाद में बोर्ड ने सेंटर के नाम में ट्रम्प का नाम जोड़ने का फैसला कर लिया। इसके बाद इमारत पर 'द डोनाल्ड जे. ट्रम्प एंड जॉन एफ. केनेडी मेमोरियल सेंटर फॉर

द परफॉर्मिंग आर्ट्स' लिखा गया। ओहायो की सांसद जॉयस बीटी ने इस फैसले को कोर्ट में चुनौती दी। उनका कहना था कि केनेडी सेंटर का नाम कांग्रेस (संसद) ने तय किया था, इसलिए उसे बदलने का हक सिर्फ कांग्रेस के पास है। कोर्ट ने उनकी बात मान ली और कहा कि बोर्ड अपने आप नाम नहीं बदल सकता। कोर्ट ने आदेश दिया कि ट्रम्प का नाम इमारत, वेबसाइट, सोशल मीडिया, दस्तावेजों और दूसरी सभी जगहों से हटाया जाए। कोर्ट की यह समय सीमा खत्म होने के बाद कर्मचारी इमारत से ट्रम्प के नाम वाले अक्षर हटाने लगे। ट्रम्प का नाम करीब 176 दिनों तक इस इमारत पर रहा। ट्रम्प का नाम हटाने के फैसले के बाद बड़ी संख्या में लोग केनेडी सेंटर के बाहर पहुंचे और खुशी जताई। केस जीतने वाली सांसद जॉयस बीटी ने कहा कि कानून के खिलाफ लिए गए फैसले को कोर्ट ने सही किया है। ट्रम्प समर्थकों का कहना है कि उनके नाम पर सेंटर के लिए काफी पैसा जुटाया गया है और नाम हटाने से उस पर असर पड़ सकता है। लेकिन कोर्ट ने इस दलील को नहीं माना।

अमेरिका की नाकेबंदी का उल्लंघन बर्दाशत नहीं किया जाएगा: विदेश मंत्री रुबियो

वाशिंगटन, एजेंसी। विदेश मंत्री रुबियो ने इस बात पर जोर दिया कि सभी वाणिज्यिक जहाजों को अमेरिकी सेना के आदेशों का तुरंत पालन करना चाहिए, क्योंकि अमेरिकी सेना होर्मुज जलडमरू मध्य में शांति और सुरक्षा बनाए रखने का प्रयास कर रही है। उन्होंने रेखांकित किया कि अमेरिका द्वारा लगाई गई नाकेबंदी का उल्लंघन और ईरानी तेल का अवैध परिवहन किसी भी कोमत पर बर्दाशत नहीं किया जाएगा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कल भारतीय विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर से बात की। दोनों अधिकारियों ने होर्मुज जलडमरू मध्य में हाल ही में हुई घटनाओं पर चर्चा की। विदेश मंत्री रुबियो ने इस बात पर जोर दिया कि सभी वाणिज्यिक जहाजों को अमेरिकी सेना के आदेशों का तुरंत पालन करना चाहिए, क्योंकि अमेरिकी सेना होर्मुज जलडमरू मध्य में शांति



और सुरक्षा बनाए रखने का प्रयास कर रही है। उन्होंने रेखांकित किया कि अमेरिका द्वारा लगाई गई नाकेबंदी (इज्जतशुद्धकर) का उल्लंघन और ईरानी तेल का अवैध परिवहन किसी भी कोमत पर बर्दाशत नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि होर्मुज के समंदर में ईरान ने वो कारगराना हरकत की जिसने भारत के सब्र का बांध तोड़ दिया। भारत के तीन जांबाज नाविकों की जान चली गई और वजह महाशक्ति

को अहंकार। ये दिन इतिहास में अमेरिका की उस सशस्त्र डकैती के नाम पर दर्ज होगा जिसने तीन भारतीय परिवारों को उग्र भर का दूद दे दिया। लेकिन कहानी यहां खत्म नहीं होती है। अमेरिका ने सोचा था कि वह झूठ बोलना और भारत मान लेगा। ट्रंप ने ईरान पर उंगली उठाई। लेकिन भारत ने उसी उंगली को मरोड़कर अमेरिका को आईना दिखा दिया और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आधी रात को अमेरिकी

विदेश मंत्री मार्को रुबियो को फोन पर जो सुनाया उसे सुनकर वाशिंगटन के गलियारों में सन्नाटा पसर गया। ओमान की खाड़ी तेल टैंकर एम्पटी सिट्टे बेली शांति से अपने गंतव्य की ओर आगे बढ़ रहा था। इस जहाज पर कोई लड़ाकू विमान नहीं था। कोई मिसाइलें नहीं थीं। इस पर सवार थे 24 भारतीय नागरिक जो अपने घर बार से दूर समंदर के सीने पर मेहनत कर रहे थे। तभी अचानक अमेरिकी नौसेना के युद्धपोतों ने इस कर्मशियल जहाज को घेर लिया। बिना किसी चेतावनी के, बिना किसी वजह के अमेरिका ने इस शांतिपूर्ण जहाज पर हमला कर दिया। गोलों की उस बरसात में जहाज दहल उठा और हमारे 21 भारतीय भाइयों ने मौत को करीब से देखा और किसी तरह अपनी जान बचाई। लेकिन तीन भारतीयों की जान इस अमेरिकी सनक में भेंट चढ़ गई।

राष्ट्रपति पेजेशिक्यान का संबोधन, एकता-सुरक्षा है ईरान की असली ताकत

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशिक्यान ने 12 दिवसीय भीषण संघर्ष की पहली बरसी पर देश को संबोधित किया। पिछले साल अमेरिका और इजरायल के साथ हुए इस भयानक युद्ध में जनता ने जो अदम्य साहस दिखाया, राष्ट्रपति ने उसकी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि जियोमिस्ट दुश्मनों की बड़ी साजिशों को नाकाम करने में देश की जनता और हमारे सशस्त्र बलों की बहुत अहम भूमिका रही है। ईरान की यह अटूट एकता ही हमारी असली ताकत है जो हर मुसीबत में देश को बचाती है।

दुश्मनों ने गलत धारणाओं के आधार पर ईरान के वरिष्ठ सैन्य कमांडरों की हत्या की और बुनियादी ढांचे पर बड़े हमले किए। परमाणु वैज्ञानिकों को निशाना बनाकर ईरानी राष्ट्र की दृढ़ता और हिम्मत को पूरी तरह से तोड़ने की नाकाम कोशिश की गई। लेकिन ईरानी जनता ने शहीद नेता के दूरदर्शिन नेतृत्व में अडिगति प्रतिरोध का शानदार प्रदर्शन किया। देश पर थोपे गए इस युद्ध ने साबित कर दिया कि सुरक्षा के मुद्दे पर पूरा ईरान एकजुट होकर एक साथ खड़ा रहता है।

एकता ही ईरान की पहचान : वैचारिक और राजनीतिक प्राथमिकताओं में तमाम भारी मतभेदों के बावजूद, जब भी हमारे प्यारे ईरान को राष्ट्रीय सुरक्षा की बात आती है। हम सब एक ही उद्देश्य के साथ और पूरी तरह एकजुट होकर हमेशा दुश्मन के सामने पहाड़ की तरह खड़े होते हैं। इसी अटूट और बेहद पवित्र राष्ट्रीय एकता ने अंततः देश के सभी क्रूर दुश्मनों की खतरनाक योजनाओं को पूरी तरह से विफल कर दिया है। देश की जनता ने साबित किया है कि बाहरी ताकतें उन्हें

कभी भी कमजोर नहीं कर सकती हैं। आर्थिक चुनौतियों पर जनता का साथ : राष्ट्रपति पेजेशिक्यान ने देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे जनता की सभी बड़ी आर्थिक चुनौतियों और भारी दबावों से पूरी तरह वाकिफ हैं। सरकार इन मुश्किल परिस्थितियों में जनता के साथ मजबूती से खड़ी है और उनकी सभी समस्याओं को दूर करने का लगातार प्रयास कर रही है। सरकार के प्रतिनिधि दिन-रात मेहनत कर रहे हैं ताकि इस जटिल स्थिति में आम लोगों का आर्थिक बोझ जल्द से जल्द कम किया जा सके। इस संकट के समय में जनता का अपार धैर्य सरकार के लिए एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

सर्वोच्च नेता का अहम संदेश : आगे की बड़ी चुनौतियों से पार पाने के लिए राष्ट्रपति ने सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद मोजतबा खामेनेई के मूल संदेश पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश की निरंतर प्रगति के लिए मजबूत राष्ट्रीय एकता को बनाए रखना अब सबसे ज्यादा जरूरी हो गया है। अपनी सैन्य और रक्षा क्षमताओं को लगातार बढ़ाना तथा सार्वजनिक हस्तगत सुनिश्चित करना समाज की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। राष्ट्रपति मसूद पेजेशिक्यान ने इस भीषण युद्ध में शहीद हुए सभी साहसी सैनिकों और सैन्य कमांडरों को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि इन वीर सपूतों के पवित्र खून से ईरान के गौरवशाली इतिहास में एक नया और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। देश की असली ताकत हमारे लोगों की एकजुटता और ईरान के युवाओं की असाधारण प्रतिभा में पूरी तरह से निहित है।